



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

खण्ड 74] प्रयागराज, शनिवार, 13 जून, 2020 ई० (ज्येष्ठ 23, 1942 शक संवत्) [संख्या 23

विषय-सूची

हर भाग के पन्ने अलग-अलग किये गये हैं, जिससे इनके अलग-अलग खण्ड बन सके।

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा	विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गज़ट का मूल्य		रु०			रु०
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	743—749	3075	भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	519—522	1500	भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तर प्रदेश	..	975
भाग 1—ख (1) औद्योगिक न्यायाधिकरणों के अभिनिर्णय			भाग 6—(क) बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किये गये या प्रस्तुत किये जाने से पहले प्रकाशित किये गये		975
भाग 1—ख (2)—श्रम न्यायालयों के अभिनिर्णय			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
भाग 2—आज्ञायें, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गज़ट और दूसरे राज्यों के गज़टों का उद्धरण	..	975	भाग 6—क—भारतीय संसद के ऐक्ट		
			भाग 7—(क) बिल, जो राज्य की धारा सभाओं में प्रस्तुत किये जाने के पहले प्रकाशित किये गये		
			(ख) सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट		
			भाग 7—क—उत्तर प्रदेशीय धारा सभाओं के ऐक्ट		975
			भाग 7—ख—इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	149—163	
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़पत्र, खण्ड क—नगरपालिका परिषद्, खण्ड ख—नगर पंचायत, खण्ड ग—निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा खण्ड घ—जिला पंचायत	..	975	भाग 8—सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गाँठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आँकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आँकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि	235—264	975
			स्टोसें-पचेज विभाग का क्रोड़ पत्र	..	1425

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस।

वित्त विभाग

[सेवायें]

अनुभाग-2

नियुक्ति

28 मई, 2020 ई0

सं0 19/2020/एस-2-457/दस-2020-128/2016-सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2017 के चयन के परिणाम के आधार पर लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा चयनित एवं नियुक्ति हेतु संस्तुत निम्नलिखित अभ्यर्थियों को सम्यक् विचारोपरान्त उ0प्र0 वित्त एवं लेखा सेवा समूह 'ख' में वेतन बैंड-3 रु0 15,600-39,100, ग्रेड वेतन रु0 5,400 (लेविल-10) में कोषाधिकारी/लेखाधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थायी रूप से नियुक्ति प्रदान करते हुये प्रशिक्षण हेतु निदेशक, वित्तीय प्रबन्ध प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ से सम्बद्ध करने के श्री राज्यपाल सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं—

क्र0	नाम/पिता का नाम	पता
1	2	3
1	सुश्री अंकिता मिश्रा पुत्री श्री आशुतोष कुमार मिश्रा	म0नं0-610/390, केशव नगर कालोनी, सीतापुर रोड, फैजुल्लागंज, लखनऊ-226020
2	श्री अभिषेक कुमार शुक्ला पुत्र श्री महेश कुमार शुक्ला	म0नं0-430, कैलाशपुरी कालोनी, मालगोदाम रोड, जनपद-बाराबंकी-225001
3	श्रीमती डॉली पुत्री श्री अमर पाल सिंह	द्वारा श्रीमती उर्मिला सिंह, पता-5/69, एच-13, त्रिमूर्तिनगर, श्यामगली, जनपद-अलीगढ़-202001
4	सुश्री यशी जैन पुत्री श्री राजकुमार जैन	म0नं0-95, चौधरयाना, झाँसी-284002
5	सुश्री वैशाली अहलावत पुत्री श्री महक सिंह अहलावत	म0नं0-32, मो0 हरिजनोवाला, किठौर, तहसील मवाना, जनपद-मेरठ-251201
6	श्री हिमांचल पुत्र श्री जिया लाल	म0नं0-54, ग्राम-वर्गी निजामपुर, पोस्ट-तरौली मुबारकपुर, जनपद-अम्बेडकरनगर-224143
7	श्री सौरभ यादव पुत्र श्री रणधीर सिंह यादव	ग्राम-जुगौरा, पोस्ट-कोकावली, तहसील-जसवंत नगर, जनपद-इटावा (उ0प्र0), 206245
8	श्री आशीष भाष्कर पुत्र श्री विजय शंकर मिश्रा	ग्राम-समुदा, पोस्ट-गौरा टिकरी, थाना-करौंदी कलौं, तहसील-कादीपुर, जनपद-सुल्तानपुर-228161
9	श्री अजित कुमार द्विवेदी पुत्र श्री युगल किशोर द्विवेदी	म0नं0-220/202, जगदीशगंज, निकट रोडवेज बस अड्डा, कर्वी, चित्रकूट-210205
10	श्री विश्वनाथ पुत्र श्री राधेश्याम	ग्राम व पोस्ट-डिहुकपुरा उर्फ शुक्लपुरा, तहसील व जिला-बस्ती (उ0प्र0), 272301

1	2	3
11	सुश्री कृतिका सिंह पुत्री श्री जितेन्द्र बहादुर सिंह	म0नं0-2/8, विपुल खण्ड-2, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0), 226010
12	श्री विपिन कुमार द्विवेदी पुत्र श्री नारायण द्विवेदी	निवासी-79-क, बाजार उत्तरी, तहसील कैम्पस के पीछे, बिन्दकी, फतेहपुर (उ0प्र0), 212635
13	श्री होरी लाल पटेल पुत्र श्री राम प्रताप पटेल	ग्राम व पोस्ट-जबरापुर, तहसील-अतर्रा, जनपद-बाँदा (उ0प्र0), 210202
14	श्री मनीष वर्मा पुत्र श्री धनीराम वर्मा	म0नं0-1380, शिवाजी नगर, जनपद-झाँसी (उ0प्र0), 284001
15	सुश्री रीता आर्या पुत्री श्री रामबाबू आर्या	ग्राम-नरौना आकापुर, थाना अतरौली, जनपद-अलीगढ़-202125
16	सुश्री दिव्या श्रीवास्तव पुत्री श्री त्रिपुरेश कुमार श्रीवास्तव	निवासी-एलआईजी-5, राप्तीनगर फेज-4, चरगावाँ, गोरखपुर-273013
17	श्री कुलदीप कुमार मिश्रा पुत्र श्री प्रेम नारायण मिश्रा	ग्राम-मवाई, सिज्वाहा, थाना-श्रीनगर, जनपद-महोबा (उ0प्र0), 210433
18	श्री राजुल कुमार उपाध्याय पुत्र श्री हरिशंकर उपाध्याय	निवासी-विशुनपुरा जौरा बाजार, जनपद-कुशीनगर, 274401

(1) उक्त अभ्यर्थी आदेश प्राप्ति के दिनांक से एक माह के अन्दर अपनी योगदान आख्या निदेशक, कोषागार, उ0प्र0, जवाहर भवन, लखनऊ के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर निम्नलिखित सूचनायें/प्रमाण-पत्र 02 प्रतियों में प्रस्तुत करेंगे :

(क) केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अन्तर्गत अब तक की गयी सेवा के सम्बन्ध में घोषणा।

(ख) अपने कर्जदार न होने की घोषणा।

(ग) एक से अधिक पति/पत्नी न होने की घोषणा।

(घ) दहेज न लिये जाने विषयक प्रमाण-पत्र।

(च) समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित घोषणा, जिसके वे स्थायी सदस्य हों।

(छ) निर्धारित प्रपत्र में अपने निजी विवरण।

(ज) राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित पासपोर्ट साइज में एक नवीनतम फोटोग्राफ।

(झ) राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र सम्बन्धी दो नवीनतम प्रमाण-पत्र।

(ञ) इण्डियन आफिसियल सिक्रेट्स ऐक्ट, 1923 के प्राविधानों को पढ़े जाने के सम्बन्ध में घोषणा।

(2) निदेशक, कोषागार उक्त अभ्यर्थियों की योगदान आख्या स्वीकार करने के पूर्व समस्त विधिक औपचारिकताओं एवं प्रक्रिया को पूर्ण कर लेंगे तथा योगदान आख्या की प्रति उ0प्र0 शासन को भी उपलब्ध करायेंगे एवं सम्बन्धित अधिकारी को तत्काल प्रशिक्षण हेतु वित्तीय प्रबन्ध प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में उपस्थित होने हेतु निर्देशित करेंगे।

(3) उक्त नियुक्ति इस शर्त के अधीन होगी कि यदि पुलिस सत्यापन रिपोर्ट/विभाग से प्राप्त कार्य एवं आचरण रिपोर्ट/स्वास्थ्य परीक्षण में कोई प्रतिकूल तथ्य संज्ञान में आता है तो इनकी नियुक्ति/अभ्यर्थन निरस्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

- (4) यदि उक्त निर्धारित अवधि में वह कार्यभार ग्रहण करने हेतु उपस्थित नहीं होते हैं और उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने हेतु समय बढ़ाये जाने का कोई प्रार्थना-पत्र उक्त अवधि के अन्दर शासन को प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो यह माना जायेगा कि वे कार्यभार ग्रहण करने के इच्छुक नहीं हैं और उनका अभ्यर्थन नियमानुसार निरस्त कर दिया जायेगा, किन्तु यदि उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने हेतु समय बढ़ाये जाने का कोई आवेदन-पत्र, समुचित कारणों का उल्लेख करते हुये समयान्तर्गत दिया जाता है, तो उन्हें कार्यभार ग्रहण करने हेतु अपरिहार्य परिस्थितियों में 01 माह तक और बढ़ाये जाने पर विचार किया जा सकता है, परन्तु यदि इसके बावजूद भी उनके द्वारा उक्त बढ़ायी गयी अवधि के अन्दर कार्यभार ग्रहण नहीं किया जाता है, तो उनका अभ्यर्थन स्वयमेव समाप्त हो जायेगा।
- (5) उक्त अभ्यर्थियों को उ0प्र0 वित्त एवं लेखा सेवा नियमावली, 1992 के नियम-24(1) सपठित सरकारी सेवक परीक्षा नियमावली, 2013 के नियम-4(1) में प्राविधानित व्यवस्था के अनुसार कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रखा जायेगा तथा परीक्षा अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण करने पर संगत नियमावली की व्यवस्थानुसार स्थायीकरण किया जायेगा। वित्त एवं लेखा सेवा संवर्ग में अन्य अधिकारियों के साथ ज्येष्ठता का निर्धारण संसुगत नियमों के अनुसार बाद में किया जायेगा।
- (6) उक्त अभ्यर्थियों को उपर्युक्त वेतनमान में मिलने वाले वेतनमान के अतिरिक्त शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते नियमानुसार देय होंगे।
- (7) पदभार ग्रहण करने के पश्चात् सम्बन्धित अधिकारियों को निदेशक, कोषागार, उ0प्र0, लखनऊ तत्काल आधारभूत कोर्स एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कराने हेतु अपने स्तर से सम्यक् आदेश/निर्देश जारी किये जायेंगे।
- (8) सम्बन्धित अधिकारी को प्रशिक्षण की समाप्ति पर प्रशिक्षण संस्थान द्वारा ली जाने वाली निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करना होगा। उन्हें यह भली-भाँति ध्यान रखना होगा कि यदि वे नियमानुसार तीन अवसर दिये जाने पर विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे अथवा उनके प्रशिक्षण से अथवा अन्य कारणों से यह ज्ञात हो कि वे नियमित संवर्ग में कोषाधिकारी/लेखाधिकारी के पद पर नियुक्ति के योग्य नहीं हैं, तो इस नियुक्ति को एक मास की नोटिस पर या उसके स्थान पर एक मास का वेतन देकर बिना पूर्व सूचना के समाप्त कर दिया जायेगा।
- (9) प्रशिक्षण अवधि की सन्तोषजनक समाप्ति पर सम्बन्धित प्रशिक्षणार्थी को उ0प्र0 वित्त एवं लेखा संवर्ग के अन्तर्गत स्वीकृत पदों का कार्यभार सौंपा जायेगा। उ0प्र0 वित्त एवं लेखा सेवा में उनकी सेवा शर्तें उ0प्र0 वित्त एवं लेखा सेवा नियमावली, 1992 (यथासंशोधित) के अनुसार निर्धारित होगी। प्रथम नियुक्ति का कार्यभार सम्भालने हेतु की गयी यात्रा के लिये सम्बन्धित अधिकारी को किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।
- (10) प्रशिक्षण की अवधि में प्रशिक्षणार्थी के वेतन एवं भत्तों का भुगतान निदेशक, कोषागार, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा नियमों के अनुसार किया जायेगा।

आज्ञा से,
प्रकाश बिन्दु,
विशेष सचिव।

गृह विभाग

[गोपन]

अनुभाग-4

सेवा-निवृत्ति संशोधन

18 मई, 2020 ई0

सं0 38 रा0/16-20-07/5/2020-सी0एक्स0-4—राज्यपाल सचिवालय, उत्तर प्रदेश के निजी सचिव, श्रेणी-तीन के पद पर कार्यरत श्रीमती कृष्णा गौड़ की सेवानिवृत्त विषयक विज्ञप्ति संख्या 24 रा0/20-07/5/2020-

सी0एक्स0-4, दिनांक 12 मार्च, 2020 में सेवानिवृत्त होने की तिथि 30 जून, 2020 के स्थान पर 30 जुलाई, 2020 त्रुटिवश टंकित हो गया है, जिसकी वास्तविक तिथि 30 जून, 2020 है। अतः उक्त विज्ञप्ति में '30 जुलाई, 2020' के स्थान पर '30 जून, 2020' पढ़ा जाय। शेष यथावत् रहेगा।

अतः विज्ञप्ति संख्या 24 रा0/20-07/5/2020-सी0एक्स0-4, दिनांक 12 मार्च, 2020 इस सीमा तक संशोधित पढ़ी/समझी जाय।

आज्ञा से,
कृष्ण गोपाल,
विशेष सचिव।

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग

अनुभाग-4

पदोन्नति

24 मार्च, 2020 ई0

सं0 571/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री कुमार विमलेन्दु, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री कुमार विमलेन्दु द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-1/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री राम औतार सिंह, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री राम औतार सिंह द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-2/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री दिव्येन्दु कुमार सिंह, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री दिव्येन्दु कुमार सिंह द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-3/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री अजय कुमार कैसर, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री अजय कुमार कैसर द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-4/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री चन्द्र किशोर चौधरी, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री चन्द्र किशोर चौधरी द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-5/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री सत्य प्रकाश, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री सत्य प्रकाश द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

सं0 571-6/76-4-2020-2/4 (26)/2012—श्री अवनीश कुमार, अधिशासी अभियंता, लघु सिंचाई को नियमित चयनोपरान्त अधीक्षण अभियंता, लघु सिंचाई के पद पर वेतनमान रु0 1,23,100-2,15,900, पे मैट्रिक्स लेवल-13 में, योगदान करने की तिथि से, श्री राज्यपाल पदोन्नति की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2—श्री अवनीश कुमार द्वारा लघु सिंचाई विभाग, मुख्यालय, लखनऊ में योगदान करते हुये वे अग्रिम आदेशों/तैनाती तक पूर्ववत् अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

3—उक्त अधीक्षण अभियंता की तैनाती आदेश पृथक से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
अशोक कुमार,
संयुक्त सचिव।

नियुक्ति

21 मई, 2020 ई0

सं0 2882/76-4-2019-2/4 (56)/2013—लोक सेवा आयोग, उ0प्र0, प्रयागराज द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा (सामान्य/विशेष चयन) परीक्षा, 2013 के आधार पर सहायक अभियन्ता (कृषि/सिविल/यांत्रिक), लघु सिंचाई के पद पर चयनित श्री अजीत कुमार पुत्र श्री विनोद कुमार, 37 टैगोरनगर, दयालबाग, जनपद आगरा को चरित्र सत्यापन एवं स्वास्थ्य परीक्षण में उपयुक्त पाये जाने के उपरान्त लघु सिंचाई विभाग में सहायक अभियन्ता के पद पर वेतनमान रु0 56,100-1,77,500, पे लेवल-10 में मौलिक रूप से नियुक्त करते हुये उन्हें 02 वर्ष की परिवीक्षा अवधि (जिसे नियमानुसार बढ़ाया भी जा सकता है) पर रखे जाने के आदेश श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं।

2—सम्बन्धित अभ्यर्थी को कार्य-भार ग्रहण करने की तिथि से उक्त वेतनमान में मिलने वाले वेतन के अतिरिक्त शासन द्वारा समय-समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता एवं अनुमन्य भत्ते भी देय होंगे।

3—सम्बन्धित अभ्यर्थी कार्य-भार ग्रहण करने से पूर्व उ0प्र0 सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम-24 (3) के अन्तर्गत अपनी चल-अचल सम्पत्तियों का विवरण सहित घोषणा-पत्र उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे।

4—सम्बन्धित अभ्यर्थी कार्य-भार ग्रहण करने से पूर्व उ0प्र0 सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, 1956 के नियम-29 के अन्तर्गत इस आशय का घोषणा-पत्र उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे कि उनकी एक से अधिक जीवित पत्नियां नहीं हैं।

5—सम्बन्धित अभ्यर्थी आदेश की प्रति प्राप्ति के 15 दिन के अन्दर तैनाती के स्थान पर कार्य-भार ग्रहण कर लें। यदि वे निर्धारित समयावधि के अन्दर युक्ति-युक्त कारण के बिना योगदान नहीं करते हैं तो यह समझा जायेगा कि वे उक्त पद पर योगदान करने के इच्छुक नहीं हैं और तदनुसार उनका अभ्यर्थन समाप्त करने की कार्यवाही करने पर विचार किया जायेगा।

6—सम्बन्धित अभ्यर्थी की सेवा शर्तें शासन द्वारा निर्गत की गई नियमावलियों एवं शासनादेशों के अधीन विनियमित होंगी।

7—सम्बन्धित अभ्यर्थी की ज्येष्ठता, उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 1991 (अद्यावधिक संशोधन सहित) के संसुगत नियमों के अनुसार आयोग द्वारा तैयार की गयी श्रेष्ठता सूची के आधार पर निर्धारित की जायेगी।

8—इस आदेश के निर्गमन के पश्चात् यदि शासन के संज्ञान में आता है कि वांछित शैक्षिक/प्रशिक्षण/अनुभव सम्बन्धी योग्यता के सम्बन्ध में यदि कोई अभ्यर्थी आवश्यक तथा महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाकर अथवा फर्जी प्रमाण-पत्रों के आधार पर चयनित होने में सफल हो गया है, तो ऐसे अभ्यर्थी इसके लिये स्वयं जिम्मेदार होंगे एवं इनकी नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी तथा भविष्य में उक्त पद के प्रति उनका कोई दावा/अधिकार मान्य नहीं होगा।

9—उक्त नियुक्ति आदेश मा0 उच्च न्यायालय में योजित याचिका संख्या 2381/2019, निखिल उपाध्याय व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2611/2019, सत्य प्रकाश सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2879/2019, मो0 वसीम रजा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2713/2019, रवीश कुमार बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2982/2019, गौरव वर्मा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2612/2019, मुकुन्द कान्त शुक्ला बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2613/2019, देवेन्द्र सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2615/2019, राजेन्द्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 3322/2019, हरीश कुमार व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, याचिका संख्या 2811/2019, अरुण कुमार बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य तथा याचिका संख्या 841/2014, पंकज मौर्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य में पारित होने वाले निर्णय के अधीन जारी किये जा रहे हैं।

10—तैनाती स्थान तक जाने/पहुँचने हेतु कोई मार्ग व्यय अथवा यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

11—श्री अजीत कुमार की तैनाती के आदेश पृथक् से निर्गत किये जायेंगे।

आज्ञा से,
अनुराग श्रीवास्तव,
प्रमुख सचिव।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 13 जून, 2020 ई० (ज्येष्ठ 23, 1942 शक संवत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य विधियां, आज्ञायें, विज्ञप्तियां इत्यादि, जिनको उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया।

HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

[ESTABLISHMENT SECTION]

NOTIFICATION

May 19, 2020

No. 01--From the date of taking over charge, Sri Vijay Kumar Mandhyan, Deputy Registrar-cum-Bench Secretary Grade-III, (Emp. no. 2005), High Court, Allahabad is hereby promoted as Joint Registrar-cum-Bench Secretary Grade-IV, High Court, Allahabad in the pay scale of P.B.-4, Rs. 37,400-67,000, Grade Pay Rs. 8,700 (level-13 Revised as per 7th pay commission) in the vacancy caused due to retirement of Sri Qadir Ahmad.

No. 02--From the date of taking over charge, Sri Shyam Kumar Shukla, Assistant Registrar-cum-Bench Secretary Grade-II, (Emp. no. 2752), High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow is hereby promoted as Deputy Registrar-cum-Bench Secretary Grade-III, High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow in the pay scale of P.B.-3, Rs. 15,600-39,100, Grade Pay Rs. 7,600 (level-12 Revised as per 7th pay commission) in the consequential vacancy caused due to promotion of Sri Vijay Kumar Mandhyan.

No. 03--From the date of taking over charge, Sri Nand Lal-III, Bench Secretary Grade-I, (Emp. no. 4051), High Court, Allahabad is hereby promoted as Assistant Registrar-cum-Bench Secretary Grade-II, High Court, Allahabad in the pay scale of P.B.-3, Rs. 15,600-39,100, Grade Pay Rs. 6,600 (level-11 Revised as per 7th pay commission) in the consequential vacancy caused due to promotion of Sri Shyam Kumar Shukla.

(All the promotions, notified above, shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court).

(In view of prevailing transfer policy, Sri Shyam Kumar Shukla, Emp. no. 2752, High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow shall draw salary from High court, Allahabad as D.R.-cum-B.S. Grade-III and Sri Narendra Singh Kushwaha, Emp. no. 2746, A.R.-cum-B.S. Grade-II, High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow who has been permitted to draw salary from High Court, Allahabad shall draw salary from High Court of Judicature at Allahabad, Lucknow Bench, Lucknow).

No. 04--From the date of taking over charge, following 01 Joint Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, is hereby promoted as Registrar in the pay scale level-13, with the condition that his promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	3159	Sri Vijay Prasad

No. 05-- In view of prevailing transfer policy, following 01 Joint Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, who has been drawing salary from Lucknow Bench of this Court, will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	3282	Sri Deepak Mehrotra

June 01, 2020

No. 06-- In view of prevailing transfer policy, following 01 Deputy Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, who has been drawing salary from Lucknow Bench of this Court, will draw salary from High Court of Judicature at Allahabad :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	3388	Sri Avanish Kumar Jaiswal

No. 07--From the date of taking over charge, following 01 Assistant Registrar, High Court of Judicature at Allahabad, is hereby promoted as Deputy Registrar in the pay scale level-12, with the condition that his promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	3397	Sri Dharmendra Kumar Pathak

(In view of prevailing transfer policy, Sri Dharmendra Kumar Pathak, will draw salary from Lucknow Bench of this Court as Deputy Registrar.

No. 08--From the date of taking over charge, following 01 Section Officer, High Court of Judicature at Allahabad, is hereby promoted as Assistant Registrar in the pay scale level-11, with the condition that his promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	6058	Sri Anoop Kumar

No. 09--From the date of taking over charge, following 01 Review Officer, High Court of Judicature at Allahabad, is hereby promoted as Section Officer in the pay scale level-10, with the condition that his promotion shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court :

Sl. no.	Emp. no.	Name
1	7335	Sri Abhishek Srivastava

June 03, 2020

No. 10--From the date of taking over charge, Sri Kailash Chandra Singh, (Emp. no. 3156), Assistant Registrar-cum-Private Secretary Grade-II, High Court, Allahabad is hereby promoted as Deputy Registrar-cum-Private Secretary Grade-III, in the pay scale of level-12 as per 7th pay commission's recommendation, in the vacancy occurred due to demise of Sri Povir Kumar Chakraborty.

No. 11--From the date of taking over charge, Sri Vivek Kumar Srivastava, (Emp. no. 3510), Private Secretary Grade-I, High Court, Lucknow Bench, Lucknow, is hereby promoted as Assistant Registrar-cum-Private Secretary Grade-II, in the pay scale of level-11 as per 7th pay commission's recommendation, in the consequential vacancy to be occurred due to promotion of Sri Kailash Chandra Singh.

No. 12--From the date of taking over charge, Sri Anurag Singh, (Emp. no. 3640), Additional Private Secretary, High Court, Allahabad, is hereby promoted as Private Secretary Grade-I, in the pay scale of level-10 as per 7th pay commission's recommendation, in the consequential vacancy to be occurred due to promotion of Sri Vivek Kumar Srivastava.

(All the promotions, notified above, shall be subject to result of Writ Petition (s), if any, filed before this Court or Lucknow Bench of this Court).

By order of
Hon'ble the Chief Justice,
(Sd.) ILLEGIBLE,
Registrar General.

कार्यालय, जिलाधिकारी, लखनऊ

04 जून, 2020 ई०

भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की अधिसूचना

सं० 950 / (भू०अ०) / न०म०पा०-प्रथम / लखनऊ—भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन कलेक्टर, लखनऊ की राय है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन, अमर शहीद पथ गोमती नगर विस्तार योजना के अन्तर्गत अर्जन से छूट गई भूमि, हेतु जनपद लखनऊ, तहसील लखनऊ, परगना लखनऊ, ग्राम मलेशेमऊ में कुल 0.338 हे० भूमि की आवश्यकता है।

2—राज्य सामाजिक समाघात निर्धारण एजेन्सी द्वारा सामाजिक समाघात निर्धारण अध्ययन किया गया है तथा समुचित सरकार को अपनी अनुशंसा प्रस्तुत की गयी है जिसे समुचित सरकार यथा कलेक्टर, लखनऊ द्वारा दिनांक 06 मार्च, 2020 को अनुमोदित किया गया है।

3-सामाजिक समाघात निर्धारण का सारांश इस प्रकार है-

After careful analysis of the data collected through questionnaire, interview with the PAF, meetings with district authorities, the project team has developed some recommendation.

- The compensation amount should be two times the market rate that was available during the time land acquisition, as per the provisions of RECTLARR 2015.
- In case PAF does not agree to the compensation, land equivalent to their loss should be provided as per the provisions of RECTLARR.

4-भूमि अर्जन के कारण कोई परिवार विस्थापित नहीं हो रहा है।

5-अतः राज्यपाल सार्वजनिक प्रयोजन हेतु निम्नलिखित अनुसूची में उल्लिखित भूमि को सामान्य सूचना हेतु अधिसूचित करने के लिये सहर्ष सहमति देते हैं :

अनुसूची

जनपद	तहसील	परगना	ग्राम	गाटा सं०	अर्जित किये जाने वाला क्षेत्रफल
1	2	3	4	5	6
					हेक्टेयर
लखनऊ	लखनऊ	लखनऊ	मलेशेमऊ	173	0.338

6-अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत निर्दिष्ट एवं प्राविधानित भूमि अधिग्रहण के प्रयोजन हेतु आवश्यक कदम उठाये जाने के लिये तथा भूमि का सर्वेक्षण, किसी भूमि के लिये समतलीकरण, खुदाई करने तथा कार्य के समुचित क्रियान्वयन हेतु सभी आवश्यक क्रियायें करने के लिये राज्यपाल कलेक्टर को प्राधिकृत करने हेतु निर्देश देते हैं।

7-अधिनियम की धारा 15 के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति, जिसका हित भूमि में निहित हो, अधिसूचना के प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर अपने क्षेत्र में भूमि अधिग्रहण के विरुद्ध लिखित रूप से कलेक्टर को आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

8-अधिनियम की धारा 11(4) के अन्तर्गत कोई व्यक्ति अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण होने तक कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना प्रारम्भिक अधिसूचना में निर्दिष्ट भूमि का सव्यवहार यथा विक्रय/ क्रय या उस भूमि में कोई भार उत्पन्न नहीं कर सकता है।

टिप्पणी-उक्त भूमि का स्थलीय नक्शा कलेक्टर, लखनऊ, 6 जगदीश चन्द्र बोस मार्ग, लालबाग, लखनऊ स्थित कार्यालय में देखा जा सकता है।

मनीष कुमार नाहर,
कलेक्टर, लखनऊ,
भूमि अध्याप्ति प्रयोजनार्थ।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 13 जून, 2020 ई० (ज्येष्ठ 23, 1942 शक संवत्)

भाग 7-ख

इलेक्शन कमीशन आफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां।

भारत निर्वाचन आयोग

20 मार्च, 2020 ई०

नई दिल्ली तारीख :

30 फाल्गुन, 1941 (शक)

अधिसूचना

सं० 82/उ०प्र०-वि०प०/1/16/2020-बी०ई०-लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 106 के अनुसरण में, भारत निर्वाचन आयोग, रामपुर-बरेली स्थानीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के लिये एक सदस्य के रूप में श्री घनश्याम सिंह लोधी के निर्वाचन पर प्रश्न उठाते हुये श्री पुष्प पाल सिंह द्वारा दाखिल की गयी 2016 की निर्वाचन याचिका संख्या 1 पर इलाहाबाद स्थित उच्च न्यायालय के दिनांक 31 मई, 2019 के आदेश को एतद्वारा प्रकाशित करता है।

आदेश से,
वरिन्दर कुमार,
वरिष्ठ प्रधान सचिव,
भारत निर्वाचन आयोग।

ELECTION COMMISSION OF INDIA

20th March, 2020

New Delhi dated the :

Phalguna 30, 1941 (Saka).

No. 82/UP-LC/1/16/2020-BE—In pursuance of section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission of India hereby publishes the order dated 31st May, 2019 of the High Court of Allahabad in Election Petition no. 1 of 2016 filed by Sh. Pushp Pal Singh calling in question

the election of Sh. Ghanshyam Singh Lodhi, as the Member of the Legislative Council from Rampur-Bareilly Local Authorities, Constituency from the State of Uttar Pradesh.

IN THE HIGH COURT OF JUDICATURE AT ALLAHABAD

Election Petition No. 1 of 2016.

(Under section 80/81 of Representation of People Act, 1951).

District : BAREILLY

*Pushp Pal Singh son of Ishwari Prasad,
Resident at C-47, Rajendra Nagar, Post-Izzat Nagar,
Bareilly, UP-243122.*

.. Petitioner.

VERSUS

Sri Ghanshyam Singh Lodhi (S/o Late Dolyram, Village-Kharulla, Post-Bhot, Tehsil-Rampur, District-Rampur.

..Respondent.

Court No.—39.

Case : Election Petition No. 1 of 2016.

Petitioner : Pushp Pal Singh.

Respondent : Sri Ghanshyam Singh Lodhi.

Counsel for Petitioner : Vinay Kumar Khare.

Counsel for Respondent : Madhur Prakash, Madhur Prakash, Sharad Sharma.

Hon'ble B., Amit Sthalekar, J.

This Election Petition has been filed by the petitioner Pushp Pal Singh seeking a declaration of the election of the respondent Ghanshyam Singh Lodhi as member of the Legislative Council of Uttar Pradesh from Rampur-Bareilly Local Authority Constituency as null and void.

Briefly stated; the facts and allegations as set out in the Election Petition are that election of Rampur-Bareilly Local Authority Constituency was notified by the Election Commission of India on 8 February, 2016. The last date of filing of nomination was February 15, 2016 and the date of scrutiny of nomination was February 16, 2016. The last date for withdrawal of candidature was February 18, 2016. The date of polling was March 3, 2016 from 8 A.M. to 4 P.M. and the date for counting of votes was March 6, 2016 and the election process was to be completed on or before March 9, 2016. The election schedule as stated in the Election Petition is extracted below:

Issue of Notification	: 8 th February, 2016 (Monday).
Last date of making nomination	: 15 th February, 2016 (Monday).
Scrutiny of nominations	: 16 th February, 2016 (Tuesday).
Last date of withdrawal of candidatures	: 18 th February, 2016 (Thursday).
Date of Poll	: 3 rd March, 2016 (Thursday).
Hours of Poll	: 8 A.M. to 4 P.M.
Counting of Votes	: 6 th March, 2016 (Sunday).
Date before which election shall be completed	: 9 th March, 2016 (Wednesday)

It is stated that the petitioner was one of the contesting candidates in the said election and was nominated by the Bhartiya Janta Party (in short 'B.J.P.') with the symbol of 'Lotus' whereas the respondent was nominated as candidate of the Samajwadi Party (in short 'Samajwadi Party') with the symbol of 'Cycle').

The allegation is that the respondent has adopted and committed a corrupt practice as defined in sub-section (7) of Section 123 of the Representation of the People Act, 1951 (for short 'Act, 1951') and therefore, his election is liable to be declared as null and void. In the said election which was declared on March 6, 2016, the petitioner is stated to have secured 962 votes whereas the respondent secured 2285 votes. Alleging corrupt practice it is stated that one Dr. Anil Sharma had filed his nomination on February 15, 2016 at 11.15 A.M. (the last date for filing nomination) as a Samajwadi Party candidate for election to the Legislative Council of Uttar Pradesh from Rampur-Bareilly Local Authority Constituency. The respondent on the other hand filed his nomination for the same constituency as Samajwadi Party candidate also on the last date of nomination *i.e.* February 15, 2016 at 14.28 A.M. The allegation is that the authorization letter of the respondent was brought on February 15, 2016 by Sri Jagdev Singh, Officer-on-Special Duty (OSD) to Sri Akhilesh Yadav, the then Chief Minister of Uttar Pradesh in a Government Helicopter. It is alleged that Sri Jagdev Singh came to Bareilly in a Government Helicopter and landed in the ground of Police line, Bareilly carrying the authorization letter of the Samajwadi Party in favour of the respondent on February 15, 2016 and that he was received in the Police Line by the respondent Sri Ghanshyam Singh Lodhi and the other political workers and supporters of the Samajwadi Party and other district officials. The authorization letter in favour of the respondent was handed over by Sri Jagdev Singh in furtherance of the election prospect of the respondent after landing at Bareilly from a Government Helicopter and Sri Jagdev Singh being a Government Official on the said date such act constituted corrupt practice. It is stated that after receiving the Samajwadi Party authorization from Sri Jagdev Singh, the respondent filed his nomination on 15 February, 2016 at 14.28 P.M. Thus, the respondent adopted corrupt practice in filing his nomination as he has received the authorization letter of the Samajwadi Party from Sri Jagdev Singh who was the O.S.D. and therefore, a Government Official who Brought the authorization letter to Bareilly in a Government Helicopter and handed it over to the respondent.

It is stated that this fact was mentioned in several newspapers with photographs and it was also reported that Rs. 2500-00 had also been deposited as Helicopter landing charges in the concerned office. It is also stated that the newspaper also published a news item that the Election Officer had issued a notice to the respondent and the election observer Sri Yashwant Kerure had also submitted a report in this regard to the Election Commission alleging corrupt practice by the respondent and that an enquiry was also conducted by the Election Officer in this matter but no report was made public.

A written statement has been filed by the respondent denying the allegations of the Election Petition. It is stated that under section 79(b) of the Act, 1951 on a mere authorization in favour of a person it cannot be said that the person is nominated as a candidate unless he files his nomination papers in accordance with the due process. It was denied that the respondent had requisitioned the services of a Government Helicopter or any other person in this regard and therefore, he had not adopted any corrupt practice as defined in sub-section (7) of Section 123 of the Act, 1951. It is stated that the authorization letter of the respondent was brought by one Sri Praveen Maheshwari, and employee of the State Office of the Samajwadi Party., Lucknow through a Helicopter hired from the Director, Civil Aviation, Uttar Pradesh, Lucknow by the Samajwadi Party and charges of Rs. 2,21,575.00 were paid through cheque no. 778886, dated 15-02-2016 by the Samajwadi Party State Office. It is also stated that a certificate in this regard being letter no. 2203 of 2016, dated 22-06-2016 has also been issued by the State Secretary, Samajwadi Party, Uttar Pradesh and the authorization letter which was brought by Sri Praveen Maheshwari was handed over to the District President, Samajwadi Party, Bareilly which was attached along with the nomination papers of the

respondent. It was denied that the authorization letter was brought by Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the Chief Minister on February 15, 2016. It is denied that Sri Jagdev Singh handed over the authorization letter of the Samajwadi Party. Rather it was Sri Praveen Maheshwari, an employee of the State Office of the Samajwadi Party, Lucknow who handed over the authorization letter to the District President, Bareilly. It is also stated that no free services were availed by the Samajwadi Party from the Government in this regard and that the helicopter was hired by the State Office of the Samajwadi Party, Lucknow and not by the Government.

The following issues were framed by the Court:

(1) Whether the respondent has committed corrupt practice as defined under Section 123 (7) of the Act, 1951 ?

(2) Whether Sri Jagdev Singh, OSD to the U.P. Chief Minister Sri Akhilesh Yadav came to Bareilly in a Government Helicopter on 15-02-2016 bringing with him Samajwadi Party Authorization letter in Form 'AA' and 'BB' for the respondents ?

(3) Whether the respondent thereby procured the assistance of a Gazetted Officer, Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the Chief Minister of U.P. Sri Akhilesh Yadav for furtherance of the prospects of his election as a Member of Legislative Council of U.P. from Rampur-Bareilly Local Authority Constituency ?

(4) Whether the U.P. State Government Helicopter was used by Sri Jagdev Singh to bring the authority letter Form 'AA' and Form 'BB' of the Samajwadi Party in favour of the respondent on 15-02-2016 at Bareilly ?

(5) Whether there is any allegation in the pleadings of the Election Petition of the opposite party having committed any corrupt practice after filing nomination papers ?

(6) Whether the Election Petition does not contain material facts and the pleadings are absolutely vague, not accompanied with necessary particulars required by law and therefore, on this ground the Election Petition deserves to be rejected ?

The parties led evidence. Sri Pushp Pal Singh was examined as a witness and he has reiterated the allegations as contained in the Election Petition.

In cross-examination by learned counsel for the respondent, Sri Pushp Pal Singh stated that the nomination had been filed on February 15, 2016 and that he had proceeded from his house at 10 A.M. and after purchasing the nomination form, he had filed the same along with proposal around 12 to 12.15 P.M. and thereafter, along with his party workers, he started from Sanjay Nagar Office and filed nomination before the Election Officer at about 2.45 P.M. When asked whether two sets of nomination were filed, the witness stated that the first set was filed at 12.15 P.M. and second set was filed at 2.45 P.M. with regard to nomination of respondent being brought by the O.S.D. of the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav in a Government helicopter which landed at the police line and was handed over to the Samajwadi Party District President Sri Veer Pal Yadav, the witness stated that he had received the information at the same time from S/Sri Hari Pal Singh, Satya Prakash Patel and Surendra Pal Singh. Therefore, he directly went to the police line but by that time the O.S.D. of then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav was leaving. He also confirmed the information from the newspaper reporting of next day which also contained the photograph. Regarding as to whether the incident was witnessed by him and his information was based on personal knowledge, the witness stated that his statement is absolutely correct and on receiving information he had rushed to the police line and saw the Opposite Party Sri Ghanshyam Singh Lodhi and Sri Veer Pal Yadav coming out from the police line and the helicopter was still standing in the police line. With regard to the expenses incurred in engaging helicopter etc. the witness stated that he had obtained information under the Right to Information Act and was informed that a sum of Rs. 2,21,000.00 had been deposited on February 28, 2016 and not earlier and in the same RTI it was informed that the helicopter was booked by Sri Jagdev Singh O.S.D. to then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav and that Sri Jagdev Singh had also travelled in the same helicopter. The witness confirmed that the respondent had deposited Rs. 2,21,575.00 through cheque dated

15-02-2016 drawn in favour of the Director, Civil Aviation, Uttar Pradesh, copy of which has been filed along with the documents and is part of the record. When asked that corrupt practice alleged to have been committed under section 123 (7) of the Act, 1950 was committed at the time when the opposite party had filed nomination as a candidate and not after the filing of the nomination papers, the witness replied that the engagement of government helicopter by the O.S.D. to then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav was a violation of the Model Code of Conduct. When asked that Sri Praveen Maheshwari, a Samajwadi Party Office worker had handed over the acknowledgment letter and election symbol and the nomination was filed on 15-02-2016 at 2.28 P.M. and after filing of nomination only thereafter a candidate can be called a Candidate and from the time till the completion of election whether there was any allegation levelled against the opposite party of committing corrupt practice during this period, the witness replied that in the Election Petition the allegation is with regard to handing over of the nomination papers by Sri Jagdev Singh, O.S.D. to then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav and Sri Praveen Maheshwari to the opposite party. When asked whether any other allegation of corrupt practice was alleged by him against the opposite party, the witness replied in the negative.

The next witness P.W. 2 Sri Satya Prakash Patel in his affidavit has stated that on February 15, 2016 when he was near the Chaupala Crossing near Bareilly Police Line, he saw a helicopter which landed in the police line and there was a large crowd in the police line ground. After the helicopter landed the person who got down from it shook hands with Sri Veer Pal Singh Yadav, the District President of Samajwadi Party, Bareilly and handed over to him some papers and Sri Veer Pal Singh Yadav, took the papers and along with opposite party went to the Collectorate, Bareilly immediately. It is also stated that from some police personnel and other persons standing in the police ground, he learnt that nomination and acknowledgment papers of the opposite party were brought by Sri Jagdev Singh, O.S.D. to then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav by helicopter and thereafter, gave this information to Sri Pushp Pal Singh informing him that the Samajwadi Party had changed its candidate. In cross-examination Sri Satya Prakash Patel when asked as to how he came to be near police line ground, he stated that he is an agent of the Life Insurance Corporation of India whose office is close to the Collectorate and when he was going to his office he saw a helicopter landing in the police ground at about 1.30 P.M. and that a large crowd of Samajwadi Party workers and other persons had collected in the police line ground and out of curiosity he also went there. When asked as to how he came to know Bareilly and Sri Veer Pal Singh Yadav took papers from him, the witness stated that the other person and Sri Veer Pal Singh Yadav are visible in the photograph but Sri Jagdev Singh was not visible in the photograph. When asked that other person who handed over the papers to Sri Veer Pal Singh Yadav was Sri Praveen Maheshwari, the witness stated that he was only stating that what he had seen.

The P.W. 1 Sri Hari Pal Singh in his affidavit has stated that on February 15, 2016 he had come to Bareilly and when he was near Chaupala Crossing which was close to the police line, he saw the Helicopter landing in the police line and there was a big crowd collected there and one person got down from the helicopter and shook hand with Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of Samajwadi Party, Bareilly and handed over some papers to him after which Sri Veer Pal Singh Yadav and Sri Ghanshyam Singh Lodhi, the opposite party herein immediately came out from the police line and left for the Collectorate, Bareilly. He also stated that Sri Ghanshyam Singh Lodhi had been put up as a candidate of the Samajwadi Party for the election and that his election symbol and nomination papers were brought by Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav in a government helicopter.

In cross-examination by learned counsel for the opposite party, the plaintiff-witness Sri Hari Pal Singh stated that he is working privately in M/s. G.P. Enterprises under the proprietor Sri Rajeev Agarwal and that on February 15, 2016 when he was working in his office he had to go for work of collection and this took him to the Chaupala Chauraha and when he saw the crowd in the police line, he went there to see what was happening. He saw Sri Pushpal Singh who is his maternal cousin there. He clearly saw Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav was carrying some papers in his hands which were election symbol and nomination papers which he handed over to Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly. He also stated that he saw the helicopter landing in the police

line and stood behind the crowd who were already present on the spot. There were about so people. The witness identified Sri Jagdev Singh from page 46 of the list of documents which is the newspaper cutting of 'Amar Ujala', Bareilly, dated 16-02-2016 but also stated that in the photograph he had not seen any paper in his hands. Thereafter, when the other person in the photograph, page no. 46, who was wearing a blue shirt, was pointed out the witness stated that he had saw papers or some documents like a file in his hands. From the photograph at page 50 of the list of documents the witness also identified Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly. When asked whether the person in blue shirt whose name is Sri Praveen Maheshwari was banding over papers to Sri Veer Pal Singh Yadav, the witness replied that he does not know the person who is giving some papers to Sri Veer Pal Singh Yadav.

P.W. 3 Sri Surendra Pal Singh also in his affidavit stated that on February 15, 2016 a helicopter came very low and was seen landing in the police line. Out of curiosity he went to the police line and entered the Maidan and saw a helicopter landed there, a person got down from the helicopter who had some papers in his and which he handed over to Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly after which Sri Veer Pal Singh Yadav along with Sri Ghanshyam Singh Lodhi immediately came out of the police line and went to the Collectorate, Bareilly. From enquiry from the persons standing in the police ground and some police personnel, the was informed that for the Bareilly-Rampur Joint Vidhan Parishad Sri Ghanshyam Singh Lodhi had been selected by the Samajwadi Party as candidate and that his election symbol and nomination papers were brought by helicopter by Sri Jagdev Singh O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav.

In cross-examination by the counsel for the opposite party, he stated that when he was passing through police line he saw the crowd in the police ground so he went inside and saw a helicopter had landed there between 1.30 p.m. to 2 p.m. He saw two people getting down from the helicopter out of which one was an elderly person and other one was a younger person. The elder person was carrying some file in his hands. From page 46 of the list of documents which is the photograph published in the Amar Ujala, dated February 16, 2016 he stated that Sri Jagdev Singh was not carrying any paper in his hands but the papers were in the hands of another person who was wearing a blue shirt and it was either a paper or a file. From the photograph at page 50 of the list of documents, he stated that the person in the photograph is Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly from the photograph at page 50 of the list of documents, he stated that he saw another person who had come with Sri Jagdev Singh was carrying some papers. Again from the photograph at page 50 of the list of documents, he stated that Sri Jagdev Singh is not present in the photograph. He also stated that he identified Sri Jagdev Singh from his photo.

Thereafter, an application was filed by the counsel for the petitioner with the prayer that Sri Jagdev Singh, retired I.A.S. may be called as a witness. Objection was filed by the opposite party. Rejoinder was filed and thereafter, an order was passed calling Sri Jagdev Singh as a witness.

Sri Vinay Kumar Khare, learned counsel for the petitioner also moved an application that certain R.T.I. letters dated 08-01-2019 and 24-01-2019 filed as annexure-1 & 2 of the accompanying affidavit, may be taken on record. This application was, however, rejected by the court.

An affidavit was also filed by the opposite party opposing the application of the petitioner dated 30-01-2019 for bringing the letters dated 08-01-2019 and 24-01-2019 on record. Rejoinder affidavit was filed. However, the application was rejected by the Court vide order dated 29-03-2019.

Sri Jagdev Singh who was called as a Witness was cross-examined by Sri Vinay Kumar Khare, Counsel for the petitioner. When asked whether he is the person shown in page 46 of the list of documents getting down from the helicopter, the witness answered in the affirmative. When shown the page 46 of the list of documents and asked whether he had brought the candidates ticket Form-A for M.L.C. and From-B from Lucknow as O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav by a government helicopter, the witness replied in the negative and stated that he had not brought any paper. When documents at page 47, 48 49 & 51 of the list of documents were shown to the witness and asked whether he had brought the

nomination papers of the Samajwadi Party candidate, the witness denied the question put to him but admitted that he is the person in the photograph. When asked as to who was the person who travelled with him in the helicopter on February 15, 2016, the witness replied that other than the Pilot of the helicopter there was no person belonging to the Samajwadi Party in the helicopter. When asked what was his objective in going by a helicopter to Bareilly on February 15, 2016 the witness replied that he took a lift in the helicopter on February 15, 2016 to go to Bareilly to meet a person known to him. When asked what was the name of that person, the witness Sri Jagdev Singh stated that it was Dr. Yogendra Rawat, Maninath Road, Bareilly. When asked as to who gave him lift in the helicopter to go to Bareilly, the witness stated that since he wanted to go to Bareilly on a personal visit, he had already informed the Director, Civil Aviation Sri Devendra about his impending visit and that if some plane or helicopter is going to Bareilly, he may be informed. He stated that he wanted to go to Bareilly on a private visit and was not getting time for it. The witness looking at the document at page 44 of the list of documents denied that he had been brought in a government helicopter on February 15, 2016 on his oral order. He stated that his name nowhere occurs in the document at page 44. The witness also stated that this trip to Bareilly was not his own and that there are many kind of works of the O.S.D. to the Chief Minister but information about this would only be available with the Director, Civil Aviation and not with him. When he was confronted with the document at page 42 of the list of documents and asked that in the RTI reply it was stated that in the government helicopter the O.S.D. to the Chief Minister had also come to Bareilly on February 15, 2016, the witness stated that he had clarified his position that on February 15, 2016 he had also gone by helicopter. When asked whether as a Government servant he could use a government helicopter for his private visit to Bareilly, the witness replied that the helicopter was used for Party purpose and he had only taken a lift in it to go to Bareilly. When asked whether he was aware that after the election had been notified he could not have travelled in a helicopter booked by a particular political party, the witness replied that he came to know that the helicopter had been booked by the political party from the other person who was travelling with him in the helicopter and that too, after the helicopter had already taken off.

Sri Praveen Maheshwari, D.W. in his affidavit dated 15-03-2018 has stated that on February 15, 2016 when he was in the State Samajwadi Party Office for work of the party at about 11 a.m. he received information that he had to proceed to Bareilly from the District Secretary of the Samajwadi Party, Uttar Pradesh with the nomination papers and election symbol in the name of Sri Ghanshyam Singh Lodhi for Rampur-Bareilly Joint Vidhan Parishad Region, and he would have to go to Bareilly to hand over the papers to Sri Ghanshyam Singh Lodhi. It is stated that Sri Praveen Maheshwari took the nomination papers and election symbol and left the State Party Headquarter at 11.30 a.m. and went to Amausi Airport and at about 1 p.m. he took the helicopter for Bareilly. He reached Bareilly in between 1.30 to 1.45 p.m. where Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly and some other workers of the Samajwadi Party were also present. It was also stated in the affidavit that the documents namely, nomination papers and election symbol which he had brought with him for contesting the election of M.L.C. from the Rampur-Bareilly Joint Vidhan Parishad Region were handed over to Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly Personally and after handing over the papers to him he went back to Lucknow.

In cross-examination by Sri Vinay Kumar Khare, the learned counsel for the petitioner, the witness stated that he had come to Bareilly from Lucknow in a State helicopter. He also stated that when he got into the helicopter, other than Pilot there was no one else with him in the helicopter. When asked as to whether there was really no one with him and that he was alone, the witness stated that there was another person wearing a black cut sleeve jacket in the helicopter but that so far as his party was concerned, he was only one travelling in the helicopter. When asked as to whether he knew the other person who got down with him from the helicopter, the witness replied in the negative. When asked whether this person came with him in the same helicopter from Lucknow, the witness replied in the affirmative. When informed that in the newspaper it was published that in the helicopter

along with him. Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav had come with nomination papers and election symbol of the Samajwadi Party for Rampur-Bareilly Joint Vidhan Parishad M.L.C. Constituency, the witness replied that he does not know what information was printed in the newspaper. Seeing the document at page 42 of the list of documents, which is the report of the Reserve Police Line Inspector dated 18-6-2016 provided under the Right to Information Act in which it was mentioned that on February 15, 2016 the O.S.D. to the Chief Minister had travelled in the State Helicopter, the witness replied that he had no knowledge about this matter. When shown the receipt at page 45 of the list of documents, which was in respect of the payment made for hiring the Helicopter, the witness stated that payment was made on a back date. When confronted with document at page 44 of the list of documents, which is a letter of the Director, Civil Aviation, provided under the Right to Information Act that the Helicopter had been booked on the request of the O.S.D. to the then Chief Minister on his oral order, the witness replied that he was not aware of the Government proceedings. He stated that he was posted as an Accountant in the Samajwadi Party Office since 2010 and prior to that from 2000 he was posted as Assistant Accountant.

The opposite party Sri Ghanshyam Singh Lodhi also filed his own affidavit in which he stated that he received a phone call between 11.00 to 11.30 a.m. from Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly that he should immediately come to Bareilly to meet him. He went to meet him in Police Line, Bareilly and reached the gate of the Police Line between 1.20 p.m.-1.45 p.m. where Sri Veer Pal Singh and some other office bearers and workers of the Samajwadi Party were present and there he was informed that in Rampur-Bareilly Local Authority Constituency he had been nominated as a candidate of the Samajwadi Party and that he had received the nomination papers and authorization papers along with election symbol and that he should file his nomination as a candidate of the Samajwadi Party. It was also stated in the affidavit that on the direction of Sri Veer Pal Singh Yadav, District President of the Samajwadi Party, Bareilly, the opposite party went with him to the Election Office, Bareilly at about 1.50 p.m. from the Police Line, Bareilly on February 15, 2016 and filed the nomination papers at about 2.28 p.m. He further stated that corrupt practice as alleged by the petitioner does not fall within the meaning of 'corrupt practice' as contemplated in sub-section (7) of Section 123 of the Act, 1950.

In cross-examination by Sri Vinay Kumar Khare, counsel for the petitioner, when asked that he had concealed the fact in his affidavit that Sri Jagdev Singh, O.S.D. to then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav had also come in the Helicopter and the witness must have been informed by Sri Veer Pal Singh Yadav that his nomination, authorization and election symbol were being brought by Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav, the witness stated that he had received a phone call from Sri Veer Pal Singh Yadav at about 11.30 a.m. to meet him and he reached Bareilly around 1.45 p.m. Sri Veer Pal Singh Yadav directed him to come straightway to the Police Line. When asked as to whether when he went to the Police Line, Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav was already present there the witness replied that when he reached the Police Line, the Helicopter was about to take off. He waited at the gate of the Police Line for Sri Veer Pal Singh Yadav and did not see any person sitting in the Helicopter nor does he know the person sitting in the Helicopter. It is only when he came out of the gate that he was informed by Sri Veer Pal Singh Yadav that he has to go to the Election Office with him to file the nomination papers as a candidate of the Samajwadi Party. When asked to identify the documents at page 46, 47 & 48 as being paper cuttings of Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav, the witness replied that he had not seen anybody coming out from the Helicopter and that he had only met Sri Veer Pal Singh Yadav who informed him at the gate of the Police Line that he had been declared a candidate by the Samajwadi Party and thereafter, he sat in the car of Sri Veer Pal Singh Yadav and went to the Election Office to file his nomination. He filled up the papers in the Election Office and filed nomination at about 2.28 p.m. When confronted with the document at page 33 with regard to his reply to the

District Magistrate's notice that Lucknow-Bareilly visit on February 15, 2016 was personal and very confidential, the witness stated that he had received a notice from the District Magistrate, 'Bareilly upon which he contacted the State Office and contacted Sri S.R. Yadav, the State Secretary and he informed him that the payment for the Helicopter had been made by the Party (Samajwadi Party). When asked what he had to say to the notice of the District Magistrate that in the Helicopter Sri Jagdev Singh, O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav had brought his nomination papers, the witness replied that he had not seen anybody in the Helicopter and that his nomination papers were given to him in the Election Office by the District President and he had not been given any paper by any person sitting in the Helicopter. When asked whether he had travelled from Rampur to Bareilly on February 15, 2016 at about 11.30 a.m. and received the nomination papers at about 1.50 p.m. and completed the entire formalities within 38 minutes, the witness stated that he had reached the Police Line at 1 p.m. and received the papers in the Police Line from the District President and went with him to the Election Office and thereafter, filed his nomination at 2.28 p.m.

I have heard the learned counsel for the parties and perused the documents filed along with the Election Petition. The document at page 12 of the list of documents is the Form 'BB', which is stated to have been brought by Sri Jagdev Singh by Helicopter, which is the authorization letter issued by the Samajwadi Party. Page 14 is the nomination paper of respondent Sri Ghanshyam Singh Lodhi which shows that the same was filed at 14.28 p.m. (2.28 p.m.) on February 15, 2016 as per endorsement made at the top right hand corner of the document. Page 17 is the authorization letter issued by the President, Samajwadi Party in Form 'AA'. The document at page 26 is the letter issued by the Election Commission under the Right to Information Act. The letter of the Officer-in-Special Duty of the office of Chief Election Officer, Uttar Pradesh dated 2-3-2016 is at page 28 which clearly mentions that there is no bar or constraint on the use of Government Helicopter other than administrative purpose, however, there is no bar for providing Helicopter in case of an emergency. The document at page 29 is a letter written by one Sri Arun Singhal, Chief Election Officer, Uttar Pradesh dated 1-3-2016 addressed to the Principal Secretary, Civil Aviation informing that a complaint had been received that a Government Helicopter had been utilized for providing the nomination and authorization papers in favour of a candidate of the Samajwadi Party and it was informed that the Samajwadi Party had paid the charges for the helicopter. The query of the Election Officer as to whether such services are provided by the Department of Civil Aviation to all the Political Parties, page 30 of the list of documents is again another letter dated 1.3.2016 written by the Civil Aviation Department to the Chief Election Officer, Uttar Pradesh informing him that the same reply was given earlier that there is no provision for providing any such service of a Government Helicopter other than administrative use but there is no bar for providing such facility in case of an emergency. Page 31 is a letter of the Under Secretary addressed to the Chief Electoral Officer, Uttar Pradesh dated 2.3.2016 with regard to the violation of the Model Code of Conduct in the biennial election of the Uttar Pradesh Legislative Council by using a Government Helicopter. Page 32 which is a letter dated 2.3.2016 is a reply of the observer Sri Y.E. Kerure stating clearly that the Collector had reported that on 1.3.2016 a Helicopter was used for carrying Form 'AA' and Form 'BB' in favour of Samajwadi Party candidate Sri Ghanshyam Singh Lodhi and an amount of Rs. 2,21,575.00 has been recovered and deposited in the account of the Civil Aviation Department. The next document is a report of the District Magistrate, Bareilly dated 01.03.2016 at page 33 stating in clear terms that the Samajwadi Party candidate Sri Ghanshyam Singh Lodhi had in reply to the notice to him by the District Magistrate, stated that the helicopter had come to Bareilly on February 15, 2016 on a very private visit and Rs. 2,21,575.00 had already been deposited with the Civil Aviation Department. Page 34 of the list of documents is a letter dated 27.02.2016 by the observer Sri Y.E. Kerure to the Senior Principal Secretary; Election Commission of India, New Delhi. Referring to the report of the District Election, Officer and

Collector, Bareilly that the person who arrived by Government Helicopter on February 15, 2016 at Bareilly Police Line and handed over the Form 'AA' and Form 'BB' to the party office bearer which were used for filing of the nomination of Sri Ghanshyam Singh Lodhi, opposite party and that the complaint made in this regard has been found to be true by the Collector, Bareilly.

The document at page 40 is again a letter dated 3.3.2016 which refers to the report of the Collector, Bareilly confirming that the Government Helicopter was used for carrying Form 'AA' and Form 'BB' in favour of the Samajwadi Party candidate Sri Ghanshyam Singh Lodhi. The letter at page 41 of the list of documents refers to the letter of the Director, Civil Aviation, Uttar Pradesh wherein it is stated that there is no policy for use of Government Helicopter other than administrative purpose but in case of emergency, there is no constraint on use of government helicopter other than administrative purpose. Page 42 of the list of documents is the reply given by the Inspector, Reserve Police Line dated 18.06.2016 informing that a Helicopter had landed in the Police Line, Bareilly on February 15, 2016 in which the O.S.D. to the then Chief Minister Sri Akhilesh Yadav had come but he was not aware from where the Helicopter had come. Page 43 of the list of documents is a letter dated 12-4-2016 written by the petitioner herein seeking information under the Right to Information Act as to who were travelling in the Helicopter which landed in the Police Line, Bareilly on February 15, 2016 and whom the Helicopter belong to and what was the cost involved and who paid the cost. Page 44 of the list of documents is the RTI reply dated 28-7-2016 stating that the State Helicopter had been requisitioned on the oral order of the O.S.D. to the Chief Minister and that it was not used for Government purpose and therefore, the payment was received by cheque dated 15-2-2016 which was deposited in the Treasury for which a receipt dated 01-03-2016 was also issued. A copy of the receipt/challan dated 01-03-2016 for Rs. 2,21,575.00 in the name of State Bank of India, Lucknow in the account of Civil Aviation Directorate, Lucknow is filed at page 45 of the list of documents. The document at page 46 is the newspaper cutting of 'Amar Ujala' showing the Helicopter in the background with one person who is in blue shirt and another white haired person in black cut sleeve jacket. The document at page 47 is the news clipping of 'Dainik Jagran' dated 19-2-2016 showing the Helicopter with a white haired person in a black cut sleeve jacket getting down from the Helicopter. The document at page 48 of the list of documents is newspaper cutting of 'Dainik Jagran' dated 18-2-2016 showing the person in a black cut sleeve jacket getting down from the Helicopter and another person in a blue shirt who was sitting inside the Helicopter is attempting to get down. Page 49 is the news paper clipping of Amar Ujala dated 17-2-2016 showing the person in a blue shirt and another person in a black jacket. The photograph at page 50 is of the person in the blue shirt holding certain papers in his hand and at page 51 is a photograph which shows the person in the black cut sleeve jacket in the forefront followed by the person in the blue shirt with the Helicopter in the background.

Learned Counsel for the petitioner referring to the provisions of sub-section (7) of section 123 of the Representation of Peoples Act, 1950 submitted that under sub-section (7) of Section 123 of the Act, 1950 the obtaining or procuring or abetting or attempting to obtain or procure by a candidate of his agent or, by any other person with the consent of a candidate or his election agent, any assistance for the furtherance of the prospects of that candidate's election from any person whether or not in the service of the Government and belonging to any of the following classes, namely :

(a) Gazetted Officers

(b)

.....

would be a 'corrupt practice'. In the present case from the affidavit and statements of the witnesses as well as from the photographic evidences what emerges is that Jagdeo Singh, the O.S.D. to the then Chief Minister,

U.P. travelled in the State Helicopter alongwith one Praveen Maheshwari. Praveen Maheshwari on his admission is stated to have carried the nomination and authorization papers as well as election symbols from Lucknow to Bareilly in favour of the opposite party to present him as the Samajwadi Party candidate for the MLC seat in the local Bareilly-Rampur constituency. This is also confirmed from the statements of the witnesses who have stated that they saw him carrying the papers in his hand. However, what also emerges from the documentary evidence on record is that Jagdeo Singh, the O.S.D. to the then Chief Minister was the person on whose oral order the Government helicopter was booked as would be evidenced from the information provided under the R.T.I. Act as well as the report of the Electoral Officer and the District Magistrate/Collector, Bareilly and it was the O.S.D. Jagdeo Singh who also travelled alongwith Praveen Maheshwari in the same helicopter. Though the reason given by Jagdeo Singh was that he was coming to Bareilly on a purely private visit to meet on Dr. I.S. Tomar but thereafter there is nothing on record to show that he infact actually met Dr. I. S. Tomar but what emerges from the evidence on record is that Jagdeo Singh returned immediately in the helicopter alongwith Praveen Maheshwari and that Sri Ghanshyam Singh Lodhi, the opposite party and Veerpal Singh Yadav, the District President of the Samajwadi Party who received Praveen Maheshwari and Jagdeo Singh at the police lines immediately proceeded to the Election office/Collectorate for filling the nomination papers and there is nothing or record to show that Sri Praveen Maheshwari or Sri Jagdeo Singh stayed back in Bareilly or that Jagdeo went to meet Dr. I.S. Tomar. Although the photograph at page 50 of the list of documents may show Sri Praveen Maheshwari holding certain papers in his hands which are not disputed to be nomination papers and authorization letter in favour of Ghanshyam Lodhi, the opposite party as admitted by Praveen Maheshwari himself but it is clear from the evidence on record that the helicopter was booked on the oral order of Jagdeo Singh and that Jagdeo Singh and Praveen Maheshwari traveled on 15-2-2016 by the same helicopter and came to Bareilly and the papers were then handed over to Sri Veerpal Singh Yadav, District President, Samajwadi Party, Bareilly.

The submission of the learned counsel for the petitioner is that the payment for the said helicopter was made by the Samajwadi Party, therefore, it is quite clear that it was the Samajwadi Party which had booked the helicopter on the oral order of Shri Jagdeo Singh, O.S.D. to the then Chief Minister and it is clearly established that the opposite party had utilized the services of a gazetted officer namely, O.S.D. Jagdeo Singh for bringing the nomination papers and authorization letter with the party symbols for a candidate of the Samajwadi Party in the MLC election for Bareilly-Rampur Constituency on 15-2-2016 and therefore it is established that he used corrupt practice as defined in sub-section (7) of Section 123 of the Act, 1950. It is not disputed that Sri Ghanshyam Singh Lodhi contested the election as a Samajwadi candidate and also won the election.

Shri Madhur Prakash, learned counsel for the opposite party, on the other hand, referred to the provisions of Section 79 of the Representation of the People Act, 1951 and submitted that clause (b) of Section 79 of the Act, 1951 defines a candidate to mean a person who has been or claims to have been duly nominated as a candidate in any election. Section 79(b) reads as under :

'79(b) "candidate" means a person who has been or claims to have been duly nominated as a candidate at any election'.

Referring to the provisions of Section 32 of the Act, 1951, which provides for nomination for candidates for election, Sri Madhur Prakash submitted that any person may be nominated as a candidate for election if he is qualified to be chosen to fill that seat under the provisions of the Constitution and of this Act or under the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963. He submits that nomination commences with the presentation of nomination papers as provided under section 33 of the Act, 1951 and submits that under section 33 each candidate, shall between the hours of eleven o'clock in the forenoon and

three o'clock in the afternoon deliver to the returning officer at the place specified in this behalf in the notice issued under section 31 a nomination paper completed in the prescribed form and signed by the candidate and by an elector of the constituency as proposer. He therefore submits that a candidate for an election can be said to be a candidate only after he files his nomination papers in the prescribed form and manner as provided under section 33 and prior to the filing of the nomination papers he cannot be said to be declared a 'candidate' for a particular seat. The submission also is that any corrupt practice adopted by a person/candidate prior to filing of his nomination papers would not amount to a corrupt practice for the purpose of section 123 of the Act, 1951.

Section 32 and 33 of the Act, 1951 read as under :

"32. Nomination of candidates for election.--Any person may be nominated as a candidate for election to fill a seat 6*** if he is qualified to be chosen to fill that seat under the provisions of the Constitution and this Act 7***8 [or under the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), as the case may be.]

"33. Presentation of nomination paper and requirements for a valid nomination.--(1) On or before the date appointed under clause (a) of section 30 each candidate shall, either in person or by his proposer, between the hours of eleven o'clock in the forenoon and three o'clock in the afternoon deliver to the returning officer at the place specified in this behalf in the notice issued under section 31 a nomination paper completed in the prescribed form and signed by the candidate and by an elector of the constituency as proposer :

[Provided that a candidate not set up by a recognised political party, shall not be deemed to be duly nominated for election from a constituency unless the nomination paper is subscribed by ten proposers being electors of the constituency :

Provided further that no nomination paper shall be delivered to the returning officer on a day which is a public holiday :

Provided also that in the case of a local authorities' constituency, graduates' constituency of teachers' constituency, the reference to "an elector of the constituency as proposer" shall be construed as a reference to ten per cent. of the electors of the constituency or ten such electors, whichever is less, as proposers.]

[(1A) Notwithstanding anything contained in sub-section (1) for election to the Legislative Assembly of Sikkim (deemed to be the Legislative Assembly of that State duly constituted under the Constitution), the nomination paper to be delivered to the returning officer shall be in such form and manner as may be prescribed :

Provided that the said nomination paper shall be subscribed by the candidate as assenting to the nomination, and--

(a) in the case of a seat reserved for Sikkimese of Bhutia-Lepcha origin, also by at least twenty electors of the constituency as proposers and twenty electors of the constituency as seconders ;

(b) in the case of a seat reserved for Sanghas, also by at least twenty electors of the constituency as proposers and at least twenty electors of the constituency as seconders ;

(c) in the case of a seat reserved for Sikkimese of Nepali origin, by an elector of the constituency as proposer :

Provided further that no nomination paper shall be delivered to the returning officer on a day which is a public holiday.]

(2) In a constituency where any seat is reserved, a candidate shall not be deemed to be qualified to be chosen to fill that seat unless his nomination paper contains a declaration by him specifying the particular caste or tribe of which he is a member and the area in relation to which that caste or tribe is a Scheduled Caste or, as the case may be, a Scheduled Tribe of the State.

(3) Where the candidate is a person who, having held any office referred to in 2 [section 9] has been dismissed and a period of five years has not elapsed since the dismissal, such person shall not be deemed to be duly nominated as a candidate unless his nomination paper is accompanied by a certificate issued in the prescribed manner by the Election Commission to the effect that he has not been dismissed for corruption or disloyalty to the State.

(4) On the presentation of a nomination paper, the returning officer shall satisfy himself that the name and electoral roll numbers of the candidate and his proposer as entered in the nomination paper are the same as those entered in the electoral rolls :

[Provided that no misnomer or inaccurate description or clerical, technical or printing error in regard to the name of the candidate or his proposer or any other person, or in regard to any place, mentioned in the electoral roll or the nomination paper and no clerical, technical or printing error in regard to the electoral roll numbers of any such person in the electoral roll or the nomination paper, shall affect the full operation of the electoral roll or the nomination paper with respect to such person or place in any case where the description in regard to the name of the person or place is such as to be commonly understood ; and the returning officer shall permit any such misnomer or inaccurate description or clerical, technical or printing error to be corrected and where necessary, direct that any such misnomer; inaccurate description, clerical, technical or printing error in the electoral roll or in the nomination paper shall be overlooked.]

(5) Where the candidate is an elector of a different constituency, a copy of the electoral roll of that constituency or of the relevant part thereof or a certified copy of the relevant entries in such roll shall, unless it has been filed along with the nomination paper, be produced before the returning officer at the time of scrutiny.

(6) Nothing in this section shall prevent any candidate from being nominated by more than one nomination paper :

Provided that not more than four nomination papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted by the returning officer for election in the same constituency.]

[(7) Notwithstanding anything contained in sub-section (6) or in any other provisions of this Act, a person shall not be nominated as a candidate for election,--

(a) in the case of a general election to the House of the People (whether or not held simultaneously from all Parliamentary constituency), from more than two Parliamentary constituency ;

(b) in the case of a general election to the Legislative Assembly of a State (whether or not held simultaneously from all Assembly constituencies), from more than two Assembly constituencies in that State ;

(c) in the case of a biennial election to the Legislative Council of a State having such Council, from more than two Council constituencies in the State ;

(d) in the case of a biennial election to the Council of States for filling two or more seats allotted to a State, for filling more than two such seats;

(e) in the case of bye-elections to the House of the People from two or more Parliamentary constituencies which are held simultaneously, from more than two such Parliamentary constituencies ;

(f) in the case of bye-elections to the Legislative Assembly of a State from two or more Assembly constituencies which are held simultaneously, from more than two such Parliamentary constituencies ;

(g) in the case of bye-elections to the Council of States for filling two or more seats allotted to a State, which are held simultaneously, for filling more than two such seats ;

(h) in the case of bye-elections to the Legislative Council of a State having such Council from two or more Council constituencies which are held simultaneously, from more than two such Council constituencies.

Explanation.--For the purposes of this sub-section, two or more by-elections shall be deemed to be held simultaneously where the notification calling such by-elections are issued by the Election Commission under section 147, section 149, section 150 or, as the case may be, section 151 on the same date.]

Shri Madhur Prakash has also referred to the provisions of sub-section (8) of section 36 of the Act, 1951 which provides that immediately after all the nomination papers have been scrutinized and decision accepting or rejecting the same have been recorded, the returning officer shall prepare a list of validly nominated candidates i.e. to say that the candidates whose nomination have been found valid and affix it to the notice board. Section 36(8) of the Act, 1951 reads as under :

"36(8) immediately after all the nomination papers have been scrutinized and decision accepting or rejecting the same have been recorded, the returning officer shall prepare a list of validly nominated candidates that is to say that the candidates whose nomination have been found valid and affix it to the notice board."

He therefore submits that section 36(8) of the Act, 1951 read conjointly with section 32 and 33 of the Act, 1951 would lead to the only conclusion that candidate for election can be said to be a candidate as such only when he files his nomination papers according to the procedure laid down in Section 33 of the Act, 1951 and his nomination papers are then scrutinized and if found to be valid are thereafter notified and affixed to the notice board of the returning officer.

From a reading of Section 32 of the Act, 1951, it is seen that any person may be nominated as a candidate for election to fill a seat if he is qualified to be chosen to fill a seat under the provision of the Constitution and the Act or under the provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 but merely become eligible does not make a person a candidate. Section 33 of the Act, 1951 lays down the procedure for presentation of nomination paper and the requirements for a valid nomination. It is only when the procedure laid down in Section 33 is completed by a person qualified to be chosen to fill the seat and such nomination paper completed in the prescribed form and signed by the candidate by a elector of the constituency as proposer is filed either in person or a proposer between the hours of 11 o'clock in the forenoon and 3 o'clock in the afternoon that a person is said to be nominated as a candidate.

The matter does not rest there but it also requires compliance of the procedure laid down in Section 36 sub-section (8) which is quoted herein above and which requires the returning officer to scrutinize the nomination papers accepting or rejecting the same and thereafter, the returning officer shall prepare a list of validly nominated candidates and the candidates whose nomination have been found valid shall be affixed to his notice board. Therefore, merely being declared a candidate by a political party prior to filing of the nomination paper under Section 33 of the Act, 1951, a person cannot be said to be a candidate nominated.

Sub-section (b) of Section 79 of the Act, 1951 further defines a 'candidate' to mean a person who has been or claims to have been duly nominated as a candidate in any election. The language of sub-section (b) of Section 79 leaves absolutely no doubt that a person seeking election to a seat can be said to be a 'candidate' only if he has been duly nominated or claims to have been duly nominated which means that the procedure laid down in Section 33 has been complied with by a person and only then such a person can be said to be a candidate at an election.

My views are supported by the judgement of the Supreme Court in the case of Mohan Rawale Vs. Damodar Tatyaba *alias* Dadasaheb and other reported in (1994) 2 SCC 392. In this judgement the Supreme Court has held that sub-section of Section 123 of the Act, 1951 refers to the acts of a candidate or his election agent or any other person with the consent of the candidate or his election agent. The substituted

definition completely excludes the acts by a candidate upto the date he is nominated as a candidate. Paragraphs 6 and 8 of the said judgement are extracted below :

"6. This, we are afraid, is not the correct perception of the matter. The view fails to take note of and give effect to the substitution of the definition of the expression "candidate" in section 79(b). All sub-section of Section 123 of the Act refer to the acts of a 'candidate' or his election agent or any other person with the consent of the candidate or his election agent. The substituted definition completely excludes the acts by a candidate up to the date he is nominated as a candidate. Shri Sanghi, therefore, asks us to take this position to its logical conclusions and strike out these allegations in the election petition.

7.

8. We hold that all the overments in paragraphs 1 to 20 of the memorandum of election petition insofar as they refer to a period prior to April 23, 1991 cannot amount to allegations of corrupt practice, But on the question whether they are relevant and admissible for other purposes for the reasons submitted by Sri Nariman we abstain from expressing any opinion.. This aspect did not engage the attention of the High Court and was not considered by it. It is for the High Court to consider them at the appropriate time. We, therefore, declare that the allegations in paras 1 to 20 relating to the period anterior to the commencement of the candidature cannot be relied upon to establish corrupt practice proprio vigore."

Sri Vinay Khare, learned counsel for the petitioner was confronted with the judgement of the Supreme Court in relation to which he referred to the judgement of the Supreme Court reported in AIR 1955 SC 775 S. Khader Sheriff Vs. Munnuswami. I have gone through the said judgement and find that the judgement in the case of S. Khader (Supra) was a judgement prior to the amendment in section 79(b) of the Act, 1951 and, therefore, will have no application in the changed circumstances as they stand after the amendment to Section 79 by the amending Act of 1975 whereby clause (b) was introduced retrospectively.

Therefore on a conspectus of facts and the law laid down by the Supreme Court in the case of Mohan Rawale the acts alleged by the petitioner to constitute corrupt practice in sub section (7) of Section 123 of the Act, 1951 were committed prior to the opposite party filing his nomination papers before the returning officer, and prior to filing of his nomination he could not have been said to be a "candidate nominated" nor was his name published in the list of valid candidates and therefore, such acts would not render the election of the opposite party invalid.

For reasons aforesaid I do not find any merit in the election petition and the same is accordingly dismissed.

Dated : 31st May, 2019

(Sd.) B. AMIT STHALEKAR. J.

By order,
VARINDER KUMAR,
Senior Principal Secretary,
Election Commission of India.

आज्ञा से,
अजय कुमार शुक्ला,
सचिव।



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित

प्रयागराज, शनिवार, 13 जून, 2020 ई० (ज्येष्ठ 23, 1942 शक संवत्)

भाग 8

सरकारी कागज-पत्र, दबाई हुई रुई की गांठों का विवरण-पत्र, जन्म-मरण के आंकड़े, रोगग्रस्त होने वालों और मरने वालों के आंकड़े, फसल और ऋतु सम्बन्धी रिपोर्ट, बाजार-भाव, सूचना, विज्ञापन इत्यादि।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर

14 फरवरी, 2020 ई०

सं० 1284/सा०वि०/2019-20—उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2, सन् 1916) की धारा 128 की उपधारा (2) के खण्ड (सात) और धारा 298 की उपधारा (2) की सूची के शीर्षक (ज) की उप शीर्षक (च) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर जिस उपविधि बनाने का प्रस्ताव करता है, उसका प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 301 की अपेक्षानुसार समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए और उसके सम्बन्ध में आपत्तियों और सुझाव आमन्त्रित करने की दृष्टि से एतद्वारा प्रकाशित करता है।

प्रस्तावित उपविधि के सम्बन्ध में आपत्तियों और सुझाव यदि हो, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर को सम्बोधित करके लिखित रूप से प्रेषित किए जाने चाहिए। केवल उन्हीं आपत्तियों और सुझावों पर विचार किया जायेगा जो इस उपविधि के प्रकाशित होने से तीस दिन के भीतर प्राप्त होते हैं। इसे समाचार-पत्र में प्रकाशित कराकर आपत्ति एवं सुझाव मांगे गये थे, जिसका नियमानुसार निस्तारण करा दिया गया है।

विज्ञापन पर अनुज्ञा शुल्क का निर्धारण और वसूली उपविधि, 2019

1—संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) यह उपविधि नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क निर्धारण और वसूली विनियमन उपविधि, 2019 कही जायेगी।

(2) यह नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर की सीमा में लागू होगी।

(3) यह गजट में प्रकाशित होने की दिनांक से प्रवृत्त होगी।

2—परिभाषाएँ—(1) जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में—

(एक) “अधिनियम” का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है,

(दो) “विज्ञापनकर्ता” का तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसे इस उपविधि के अधीन कोई विज्ञापन प्रतीक या विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने, चित्रित करने या लटकाने के लिये लिखित अनुमति प्रदान की गयी हो, और ऐसे व्यक्ति में उसका अभिकर्ता, प्रतिनिधि या सेवक सम्मिलित है और भूमि तथा भवन का स्वामी भी सम्मिलित है।

- (तीन) “विज्ञापन प्रतीक” का तात्पर्य विज्ञापन के प्रयोजनों के लिये या तत्सम्बन्ध में सूचना देने के लिये या जनता को किसी स्थान, व्यक्ति, लोक निष्पादन, वस्तु या वाणिज्यिक माल, जो भी हो, के प्रति आकर्षित करने के लिये किसी सतह या संरचना से है जिसमें ऐसे प्रतीक अक्षर या दृष्टांत अनुप्रयुज्य हों और द्वारों के बाहर किसी भी रीति, जो भी हो, से संप्रदर्शित हो, और उक्त सतह या संरचना या किसी भवन से संलग्न हो, उसका भाग हो या उससे संयोजित हो, या जो किसी वृक्ष या भूमि या किसी खम्भे, स्क्रीन बाड़ या विज्ञापन पट्ट से जुड़ी हो या जो खाली स्थान पर संप्रदर्शित हो,
- (चार) “विज्ञापन” का तात्पर्य विज्ञापन प्रतीक के माध्यम से विज्ञापन करने से है,
- (पाँच) “गुब्बारा” का तात्पर्य गैस से भरे हुये ऐसे किसी गुब्बारे से है जो भूमि पर किसी बिन्दु से बंधा हो और कपड़े आदि के किसी करहरे से या उसके बिना हवा में लहरा रहा हो,
- (छः) “पताका” (Banner) का तात्पर्य ऐसी किसी नम्य वस्तु से है जिस पर कोई प्रतिकृति या चित्र संप्रदर्शित किये जा सकते हैं,
- (सात) “पताका विज्ञापन” से तात्पर्य किसी ऐसे प्रतीक से है जिसमें पताका का झण्डी उपयोग प्रदर्शन सतह के रूप में किया जाता हो।
- (आठ) “नगरपालिका” से तात्पर्य यथा स्थिति नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर से है,
- (नौ) “विद्युतीय विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जिसमें विद्युतीय साज-सज्जे, जो प्रतीकों के महत्वपूर्ण अंग हैं, प्रयुक्त किये जाते हैं,
- (दस) “भू-विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी भवन से लगा हुआ न हो, और जो भूमि या किसी खम्भे, स्क्रीन, बाड़ा या विज्ञापन पट्ट पर परिनिर्मित या चित्रित हो और जनता के लिये दृश्य हो,
- (ग्यारह) “प्रदीप्त विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन प्रतीक से है, जो स्थायी या अन्यथा हो और जिसकी कार्यप्रणाली प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रकाश द्वारा उसे प्रदीप्त किये जाने पर आधारित हो,
- (बारह) “शामियाना विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे किसी विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी शामियाना वितान या ऐसी अन्य आच्छादित संरचना से सम्बद्ध हो या उससे टंगा हुआ हो जो किसी भवन से बाहर निकला हुआ हो और उससे अवलम्बित हो तथा जो भवन की दीवार एवं भवन की सीमा रेखा से बाहर की ओर हो,
- (तेरह) “प्रक्षेपित विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे किसी विज्ञापन प्रतीक से है जो किसी भवन से लगा हुआ हो और उससे 300 मिलीमीटर से अधिक बाहर की ओर हो,
- (चौदह) “मार्गाधिकार” का तात्पर्य सड़क के प्रयोजनार्थ सुरक्षित और संरक्षित भूमि की चौड़ाई से है,
- (पन्द्रह) “छत विज्ञापन” का तात्पर्य ऐसे विज्ञापन से है जो किसी भवन की प्राचीर या छत के किसी भाग पर या उसके ऊपर परिनिर्मित हो या रखा गया हो जिसमें किसी भवन की छत पर चलचित्र/चित्रित विज्ञापन सम्मिलित है,
- (सोलह) “अनुसूची” का तात्पर्य इस उपविधि से संलग्न अनुसूची से है।
- (सत्रह) “प्रतीक संरचना” का तात्पर्य किसी ऐसी संरचना से है जिससे कोई प्रतीक अवलम्बित हो,
- (अठारह) “अनुज्ञा शुल्क” का तात्पर्य अधिनियम की धारा 172 की उपधारा (2) के खण्ड (ज) में निर्दिष्ट विज्ञापन अनुज्ञा शुल्क से है,
- (उन्नीस) “अस्थायी विज्ञापन” का तात्पर्य अवकाश दिवसों या लोक प्रदर्शनी हेतु अलंकारिक प्रदर्शनों सहित, किसी समिति अवधि के प्रदर्शन के लिये वांछित किसी विज्ञापन, झण्डा या वस्त्र, कैनवास, कपड़े या किसी संरचनात्मक ढांचा से या उसके बिना किसी अन्य हल्की सामग्री से निर्मित अन्य विज्ञापन युक्ति से है,
- (बीस) “बराण्डा प्रतीक” का तात्पर्य किसी बराण्डा से सम्बद्ध, उससे संयोजित या उससे टांगे गये किसी विज्ञापन से है,

(इक्कीस) सचल विज्ञापन से तात्पर्य ऐसे विज्ञापन से है, जो किसी वाहन या अन्य साधनों से भ्रमण कर प्रदर्शित किया जाता है।

(2) इस उपविधि में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित और अधिनियम में परिभाषित शब्दों और पदों, के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिये समनुदेशित हो।

स्थल चयन के लिये—(1) अधिशासी अधिकारी की अध्यक्षता में विज्ञापन प्रतीक या विज्ञापन पट्ट के लिये उचित और उपयुक्त स्थलों की पहचान करने के लिये और उसके आकार, ऊँचाई और सौन्दर्यात्मक पहलू का विनिश्चय करने के लिये नगरपालिका में एक समिति का गठन किया जायेगा।

(2) समिति में निम्नलिखित होंगे—

(एक) अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
(दो) नगर में यातायात का निरीक्षक	सदस्य
(तीन) अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग का कोई अधिकारी	सदस्य
(चार) परिवहन विभाग का एक अधिकारी	सदस्य
(पाँच) पालिका का अभियन्ता या कोई अधिकारी	सदस्य
जो अभियन्ता की श्रेणी से निम्न न हो एवं कर अधीक्षक	

टिप्पणी—अधिशासी अधिकारी किसी अन्य सदस्य को सहयोजित कर सकता है जैसा वह उचित समझे।

(3) कम से कम दो प्रख्यात दैनिक समाचार-पत्रों में विज्ञापन कर की समिति द्वारा अभिज्ञानित स्थलों पर अनुज्ञा प्रदान करने के लिये अधिशासी अधिकारी द्वारा आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जायेंगे। विज्ञापन में प्रत्येक प्रस्तावित स्थल के संबंध में अधिशासी अधिकारी द्वारा नियत न्यूनतम प्रीमियम विनिर्दिष्ट होनी चाहिए।

(4) स्थलों की पहचान और समिति की संस्तुति के पश्चात् ही विज्ञापनों और विज्ञापन पट्टों की अनुज्ञा दी जायेगी।

प्रतिषेध—(1) अधिशासी अधिकारी से पूर्व में लिखित अनुज्ञा प्राप्त किये बिना कोई व्यक्ति नगरपालिका की सीमा के भीतर किसी भवन, पुल, मार्ग, फुटपाथ, उपरिगामी सेतु या उससे संलग्न भूमि या वृक्ष रक्षक, नगर प्राचीर, बाउन्ड्रीवाल, नगर द्वार, विद्युत या टेलीफोन के खम्भे, चल वाहनों या किसी प्रकार की सूचना या चित्र, जिससे किसी सामान्य प्रज्ञा वाले व्यक्ति को विज्ञापन होने का आभास करेगा, न चिपकायेगा न लगायेगा न लिखेगा, न चित्रित करेगा या न लटकायेगा।

(2) नगरपालिका की सीमाओं के भीतर किसी भूमि या भवन का स्वामी या अन्यथा अधिभोग करने वाला कोई व्यक्ति अधिशासी अधिकारी की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना ऐसी भूमि या भवन के किसी भाग पर कोई विज्ञापन न तो परिनिर्मित करेगा, न प्रदर्शित करेगा, न सम्प्रदर्शित करेगा, न लगायेगा, न चिपकायेगा, न लिखेगा, न चित्रित करेगा या न लटकायेगा और न ही किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे भवन या भूमि पर कोई विज्ञापन परिनिर्मित करने देगा, न प्रदर्शित, न सम्प्रदर्शित, न लगाने, चिपकाने, लिखने, चित्रित करने या न लटकाने देगा, यदि ऐसा विज्ञापन किसी सार्वजनिक स्थान या सार्वजनिक मार्ग से दृश्य हो।

(3) कोई विज्ञापन पट्ट इस रीति से प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा कि यातायात के संचालन में अग्र एवं पार्श्व भाग के दर्शित होने में कोई व्यवधान हो।

(4) राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग के दाहिनी ओर से दृष्टिगोचर कोई विज्ञापन पट्ट, प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा।

(5) कोई विज्ञापन पट्ट नियम 16 के अधीन यथा विनिर्दिष्ट मार्गों के सिवाय अन्य मार्गों के छोर के यथा निर्धारित दूरी अर्थात् 10 मीटर के भीतर प्रतिष्ठापित नहीं किया जायेगा।

अनुज्ञा प्राप्त करने की प्रक्रिया—(1) अनुज्ञा प्राप्त करने के लिये प्रत्येक आवेदक अनुसूची-एक में विनिर्दिष्ट चिन्हित प्रपत्र में किया जायेगा, जिसे अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद् से निर्धारित धनराशि का भुगतान करके नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर के कार्यालय से प्राप्त किया जायेगा या सम्बन्धित निकाय के वेबसाइट से डाउन लोड

किया जा सकता है, तथापि आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय आवेदन-पत्र के मूल्य की रसीद आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जायेगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक आवेदन-पत्र में ऐसी भूमि, भवन या स्थान के सम्बन्ध में विस्तृत सूचना निहित होगी जहाँ ऐसी भूमि भवन या स्थान के पास प्रस्तावित विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट पर निर्मित किया जाना, प्रदर्शित किया जाना, सम्प्रदर्शित किया जाना, लगाया जाना, चिपकाया जाना, वांछित हो और उसमें निम्नलिखित सूचना सम्मिलित होगी—

(क) प्रतीक की लम्बाई, ऊँचाई और भार को दर्शाते हुये पूर्ण विशिष्टियाँ, अवस्थिति जहाँ इसे विनिर्मित किया जाना है विनिर्माणकर्ता का नाम और पता और जहाँ प्रयोज्य हो वहाँ प्रकाश पुंजी संख्या और उसके विद्युतीय विवरण, ऐसे प्रपत्र 1:500 के पैमाने पर चित्रित प्रतीक की स्थल पर स्थिति को इंगित करने वाले अवस्थिति मानचित्र से संलग्न होगा।

(ख) पूर्ववर्ती के अतिरिक्त छत-विज्ञापनों, प्रक्षिप्त विज्ञापनों या भू-विज्ञापनों के मामले में सहायक क्रिया विधियों और स्थिरक-स्थानों के समस्त घटक और यदि अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा अपेक्षित, हो तो आवश्यक अभिकल्प संगणनायें आवेदन-पत्र में प्रस्तुत की जायेगी।

(ग) कोई अन्य विशिष्टियाँ, जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा अपेक्षित हो,

(घ) गुब्बारा विज्ञापनों के मामलों में अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा यथा अपेक्षित आवश्यक सूचना उपलब्ध करायी जा सकती है।

(3) यदि विज्ञापन किसी सार्वजनिक मार्ग के पार्श्व भाग पर या किसी निजी परिसर में कोई संरचना लगाकर प्रदर्शित किया जाना या संप्रदर्शित किया जाना वांछित हो तो ऐसे आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित विवरण भी प्रस्तुत किया जायेगा—

(क) विज्ञापन और प्रस्तावित संरचना के आकार का विवरण,

(ख) अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित संरचना अभियन्ता से सुदृढ़ता सम्बन्धी रिपोर्ट आवेदन, आवश्यक चित्रों और संरचना-संगणनाओं सहित नगर आयुक्त द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित संरचना अभियन्ता के माध्यम से किया जायेगा। अभिकल्प संगणनाओं में लिया गया वायुभार राष्ट्रीय भवन संहिता, 2005 के भाग-4 “संरचना अभिकल्प धारा-1 भार, बल और प्रभाव” के अनुसार होगा।

(4) यदि विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी निजी भूमि या भवन या उसके किसी भाग पर परिनिर्मित किया जाना, प्रदर्शित किया जाना, लगाया जाना, चिपकाया जाना, लिखा जाना, चित्रित किया जाना या लटकाया जाना वांछित हो और आवेदक ऐसी भूमि या भवन का स्वामी न हो तो आवेदन-पत्र में ऐसी भूमि या भवन के स्वामी की लिखित अनुज्ञा संलग्न होगी।

(5) उपनियम (4) में निर्दिष्ट भूमि या भवन के प्रत्येक स्वामी को यह लिखित समझौता करना होगा कि किसी व्यक्तिक्रम की स्थिति में वह विज्ञापनकर्ता हेतु देय अनुज्ञा शुल्क का भुगतान करने के लिये उत्तरदायी होगा।

(6) यदि भूमि का कोई स्वामी अपनी निजी भूमि पर विज्ञापन संप्रदर्शित करना चाहे तो उसे आवेदन-पत्र के साथ विस्तृत सूचना प्रस्तुत करनी होगी और इस उपविधि के अधीन अनुज्ञा लेनी होगी।

(7) यदि कोई व्यक्ति किसी ट्री गार्ड को परिनिर्मित करने की अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात् ऐसे ट्री गार्ड पर कोई विज्ञापन प्रदर्शित या संप्रदर्शित करता है तो वह इस उपविधि के अधीन अनुज्ञा शुल्क का भुगतान करने तथा पौधारोपण और उनके समुचित रख रखाव और सुरक्षा का दायी होगा।

(8) अनुज्ञा ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुये, प्रदान की जायेगी जो नगर पालिका द्वारा लोक सुरक्षा और शिष्टाचार के हित में अधिरोपित की जायेगी।

(9) प्रत्येक आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तावित प्रीमियम की पूर्ण धनराशि संलग्न करनी होगी।

अनुज्ञा प्रदान करने की शर्तें—(1) किसी विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने चित्रित करने या लटकाने की अनुज्ञा निम्नलिखित निबन्धन एवं शर्तों पर प्रदान की जायेगी कि—

(क) अनुज्ञा केवल उस अवधि तक के लिये प्रभावी होगी जिस अवधि के लिये प्रदान की गयी हो, परन्तु शुल्क या प्रीमियम सहित, इस उपविधि के अनुसार संदत्त और जमा किया गया हो।

(ख) विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट पर ऐसे रंगों और आकारों में लिखा जायेगा, चिपकाया जायेगा, समुद्भूत किया जायेगा, चित्रित किया जायेगा जैसा कि अधिशासी अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाये और विज्ञापन पट्ट, चाहे भूमि पर या भवन पर प्रतिष्ठापित किया गया हो, की ऊँचाई 06 मीटर से अधिक नहीं होगी। दो संलग्न विज्ञापन पट्टों के मध्य की दूरी, विज्ञापन पट्ट की चौड़ाई या 6 मीटर, जो भी अधिक हो, से कम नहीं होगी,

(ग) विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट को समुचित दशाओं में रखा एवं अनुरक्षित किया जायेगा,

(घ) प्रदान की गयी अनुज्ञा अन्तरणीय नहीं होगी।

(ङ) विज्ञापन प्रतीक या विज्ञापन पट्ट की विषय वस्तु या उसके विवरण में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बुलन्दशहर की लिखित अनुज्ञा के बिना परिवर्तन नहीं किया जायेगा,

(च) विज्ञापन कर्ता ऐसी अवधि, जिसके लिये अनुज्ञा दी गयी थी, की समाप्ति से एक सप्ताह के भीतर विज्ञापन को हटा देंगे या उसे मिटा देंगे।

(छ) विज्ञापन बोर्ड या विज्ञापन पट्ट अनुज्ञात स्थान पर ही प्रतिष्ठापित किये जायेंगे, प्रदर्शित किये जायेंगे, संप्रदर्शित किये जायेंगे या परिनिर्मित किये जायेंगे,

(ज) मार्ग के लिये खुली छोड़ी गई भूमि पैदल चलने वालों, साइकिल वालों के स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से चलने के लिये उपलब्ध रहेगी,

(झ) भवनों, यदि कोई हो, जो विज्ञापन और विज्ञापन पट्टों के समीप स्थित हो, के प्रकाश और वातायन में किसी भी रूप में व्यवधान नहीं डाला जायेगा,

(ञ) लोकहित में अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बुलन्दशहर को यह अधिकार होगा कि वह अवधि समाप्त होने के पूर्व भी अनुज्ञा-पत्र को निलम्बित कर दे जिसके पश्चात् विज्ञापनकर्ता विज्ञापनों को हटा देगा।

(ट) विज्ञापनों से अवस्थान का कलात्मक सौन्दर्य नष्ट नहीं होना चाहिये।

(ठ) भवन से संबंधित विज्ञापनों से भिन्न विज्ञापनों को ऐसे भवनों यथा चिकित्सालयों, शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक कार्यालयों, संग्रहालयों, धार्मिक पूजा के निमित्त अर्पित भवनों और राष्ट्रीय महत्व के भवनों के समक्ष आने की अनुज्ञा नहीं होगी।

(ड) विज्ञापनों को वृक्षों या काष्ठमय पेड़-पौधों में गाड़ा, बांधा नहीं जायेगा।

(2) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा प्रदान की गयी लिखित अनुज्ञा या उसका नवीनीकरण तत्काल समाप्त हो जायेगा,

(क) यदि कोई विज्ञापन या उसका कोई भाग किसी दुर्घटना या किन्हीं अन्य कारण से गिर जाता है,

(ख) यदि कोई परिवर्द्धन, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर के निर्देश के अधीन उसे सुरक्षित रखने के प्रयोजन को छोड़कर किया जाता है,

(ग) यदि विज्ञापन या उसके भाग में कोई परिवर्तन किया जाता है,

(घ) यदि उस भवन या संरचनाओं में कोई परिवर्द्धन या परिवर्तन किया जाता है जिस पर या जिसके ऊपर विज्ञापन परिनिर्मित किया जाता है, यदि ऐसे परिवर्द्धन या परिवर्तन में विज्ञापन या उसके किसी भाग का व्यवधान सम्मिलित है, या

(ङ) यदि ऐसा भवन या संरचना, जिस पर या जिसके ऊपर विज्ञापन परिनिर्मित, नियत या अवरुद्ध हो, भंजित या नष्ट हो जाती है।

7-प्रीमियम—(1) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, प्रत्येक स्थल के लिये न्यूनतम प्रीमियम धनराशि नियत करेगा।

(2) मुहर बंद लिफाफा में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिये न्यूनतम सात दिन का समय दिया जायेगा।

(3) प्रस्ताव के साथ उसमें उल्लिखित पूर्ण धनराशि संलग्न होनी चाहिये।

8-आवंटन समिति—(1) अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर की अध्यक्षता में निकाय में एक आवंटन समिति गठित की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे—

- | | |
|--|------------|
| (एक) निकाय में यातायात का प्रभारी | सदस्य |
| (दो) निकाय से सम्बन्धित अभियन्ता | सदस्य |
| (तीन) निकाय में विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट प्रभारी— | सदस्य सचिव |

(2) समिति इस उपविधि में विनिर्दिष्ट प्रतिमानों के अनुसार आवेदन-पत्रों निविदाओं, प्रस्तावों की समीक्षा करेगी और तदनुसार अनुमोदित करेगी।

(3) देय अनुज्ञा शुल्क सहित प्रीमियम की पूर्ण प्रस्तावित धनराशि जमा करने के पश्चात् उच्चतम प्रस्ताव करने वाले आवेदक को अनुज्ञा प्रदान की जायेगी।

(4) सदस्य सचिव समिति द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित अनुज्ञा आदेश जारी करेगा।

(5) विज्ञापन कर्ता द्वारा नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर को अनुमोदित प्रीमियम और विज्ञापन शुल्क की पूर्ण धनराशि की 10 प्रतिशत की दर पर प्रतिभूति धनराशि जमा करने के पश्चात् ही अनुज्ञा आदेश जारी किया जायेगा।

(6) विस्तृत सूचना, अनुदेश और निबंधन एवं शर्तें अनुज्ञा आदेश में उल्लिखित की जायेगी।

(7) विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट के लिये प्रत्येक स्थल की नीलामी या निविदा एक ही रूप से उपर्युक्त रीति से की जायेगी।

(8) यदि कोई विज्ञापन निजी भवन या भूमि पर संप्रदर्शित किया जाना वांछनीय हो तो अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट देय वार्षिक विज्ञापन शुल्क, विज्ञापन कर्ता द्वारा संदेय होगा।

(9) यदि विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी सार्वजनिक मार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग/राज्य राजमार्ग को छोड़कर) या इससे संलग्न भूमि या किसी सार्वजनिक स्थान विद्युत या टेलीफोन खम्भों या ट्रीगार्ड या चहारदीवारी पर संप्रदर्शित किया जाना, परिनिर्मित किया जाना या प्रदर्शित किया जाना हो तो अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट वार्षिक शुल्क और उच्चतम प्रीमियम की धनराशि आवेदक द्वारा संदेय होगी।

आवेदन-पत्रों की अस्वीकृति के आधार—नियम-4 के अधीन अनुज्ञा प्राप्त करने के लिये प्रत्येक आवेदन-पत्र निम्नलिखित किसी एक या उससे अधिक आधारों पर अस्वीकृत किया जा सकता है—

(क) आवेदन-पत्र में अपेक्षित सूचना और विवरण अन्तर्विष्ट न हो या वह इस नियमावली के अनुरूप न हो,

(ख) प्रस्तावित विज्ञापन अशिष्ट, अश्लील, घृणास्पद, वीभत्स या आपत्तिजनक प्रकृति का, या नगर निगम के प्रति प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला या राजनैतिक अभियान को उकसाने वाला या जनता अथवा किसी विशिष्ट वर्ग के व्यक्तियों हेतु अनिष्टकर या क्षतिकारक प्रभाव डालने हेतु संगणित प्रकृति का हो या ऐसे स्थान पर ऐसी रीति से या किसी ऐसे माध्यम से संप्रदर्शित हो, जैसा कि अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर की राय में, उसमें किसी पड़ोस की सुविधाओं पर क्षतिकारक प्रभाव पड़ने या विकृत होने की सम्भावना हो या इसमें आपत्तिजनक लेख या अश्लील नग्न रेखाचित्र या चित्र या मदोन्मत्तता का कोई प्रतीक अन्तर्विष्ट हो।

(ग) प्रस्तावित विज्ञापन से लोक शांति या प्रशांति में दरार उत्पन्न होने की सम्भावना हो या लोकनीति और एकता के विरुद्ध हो।

(घ) प्रस्तावित विज्ञापन से तूफान या अंधड़ के दौरान जीवन या सम्पत्ति के लिये क्षति, उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(ङ) प्रस्तावित विज्ञापन से यातायात में अशांति या खतरा उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(च) प्रस्तावित विज्ञापन स्थल तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के उपबंधों से असंगत होगा।

(छ) विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट किसी भूमि या भवन पर परिनिर्मित किया जाना या संप्रदर्शित किया जाना वांछनीय हो और ऐसी भूमि या भवन के संबंध में धारा 172 में निर्दिष्ट सम्पत्ति कर आवेदन करने के दिनांक को असंदत्त हो।

अनुज्ञा प्रदान करने की रीति—किसी विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट को परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चिपकाने, लिखने करने या हस्तांतरित करने हेतु आवंटन समिति की संस्तुति पर निम्नलिखित एक या उससे अधिक रीति से अनुज्ञा प्रदान करना अधिशासी अधिकारी के लिये विधि सम्मत होगा,—

(एक) सार्वजनिक नीलामी द्वारा

(दो) निविदा आमंत्रित करने के द्वारा

अनुज्ञा की अवधि—अनुज्ञा, अनुज्ञा आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के लिये होगी। प्रत्येक ऐसी अनुज्ञा या नवीकरण में दिनांक से अनधिक दो वर्ष की अवधि के लिये ऐसी लिखित अनुज्ञा प्रदान की जायेगी या उसका नवीकरण किया जायेगा।

विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट हटाने की शक्ति—(1) यदि कोई विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट इस उपविधि के उल्लंघन में परिनिर्मित किया जाता है, प्रदर्शित किया जाता है, संप्रदर्शित किया जाता है, लगाया जाता है, चिपकाया जाता है, लिखा जाता है, चित्रित किया जाता है या लटकाया जाता है या लोक सुरक्षा के लिये परिसंकटमय या खतरनाक हो या वह सुरक्षित यातायात संचालन हेतु अशांति का कारण हो तो समिति, विज्ञापनकर्ता को किसी नोटिस के बिना उसे हटवा सकती है या मिटवा सकती है और जमा प्रतिभूति से निम्नलिखित धनराशियों की वसूली कर सकती है,

(एक) ऐसे हटाये जाने या मिटाये जाने का व्यय, और

(दो) ऐसी अवधि, जिसके दौरान ऐसा विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट ऐसे उल्लंघन में परिनिर्मित किया गया था, प्रदर्शित किया गया था संप्रदर्शित किया गया था, लगाया गया था, चिपकाया गया था, लिखा गया था, चित्रित किया गया था या लटकाया गया था, के लिये क्षतियों की धनराशि।

(2) जब कभी कोई विज्ञापन अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा किसी नोटिस या आदेश या अन्यथा के परिणामस्वरूप हटाया जाता है तब ऐसे भवन या स्थल, जिस पर या जिससे ऐसा विज्ञापन संप्रदर्शित किया गया था, में किसी क्षति या विकृति को अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर के समाधान पर्यन्त ठीक किया जायेगा। यदि विज्ञापन हटाये जाने के दौरान मार्ग की सतह/पगडण्डी/यातायात संकेतक या कोई अन्य लोक उपयोगिता की सेवायें क्षतिग्रस्त हो जाती है जो विज्ञापन कर्ता से वसूल की गयी धनराशि को पालिका द्वारा संबंधित विभाग को अन्तरित कर दिया जाना चाहिये।

विज्ञापन पर निर्बन्धन—(1) किसी संविदा या करार में अन्तर्विष्ट किसी बात के प्रतिकूल होते हुये भी कोई विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट परिनिर्मित नहीं किया जायेगा, प्रदर्शित नहीं किया जायेगा, संप्रदर्शित नहीं किया जायेगा लगाया नहीं जायेगा, चिपकाया नहीं जायेगा, लिखा नहीं जायेगा, चित्रित नहीं किया जायेगा या लटकाया नहीं जायेगा, यदि—

(एक) यह आकार में 12.2 मीटर × 6.1 मीटर से अधिक हो और इसका तल आधार भूतल से ऊपर 02 मीटर से कम हो,

(दो) यह किसी मार्ग, मार्ग संधियों या सेतुओं के अनुप्रस्थ भाग के मध्य से होते हुये मार्ग से मापे गये 50 मीटर के अन्तर्गत किसी स्थान पर अवस्थित हो,

(तीन) यह मार्ग के समानान्तर न हो या इससे स्थानीय या पैदल चलने वाले यातायात में बाधा उत्पन्न होती हो या बाधा उत्पन्न होने की सम्भावना हो,

(चार) नियम-3 के अधीन गठित समिति की राय में प्रस्तावित स्थल विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट के लिये अनुपयुक्त हो,

(पाँच) यह मार्ग के उस पार एवं मार्ग पटरी/पगडण्डी पर रखा गया हो,

(छः) यह किसी निजी परिसर के बाहर क्षेपित हो जिस पर यह इस प्रकार परिनिर्मित, प्रदर्शित या संप्रदर्शित हो,

(सात) यह ऐतिहासिक या राष्ट्रीय स्मारकों सार्वजनिक भवनों और दीवारों, चिकित्सालयों, शैक्षणिक संस्थाओं, सार्वजनिक कार्यालय और पूजा स्थलों के चारों ओर अवस्थित हो,

(आठ) स्थल नियम 22 के अधीन इस प्रयोजनार्थ निकाय या राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित प्रतिषिद्ध क्षेत्र के भीतर पड़ता हो।

(2) विज्ञापनों और विज्ञापनों पट्टों को निम्नलिखित रूप से अनुज्ञा नहीं दी जायेगी—

(एक) ऐसी रीति से और ऐसे स्थानों पर जिससे कि यातायात के पहुँचने, संविलीन होने या प्रतिच्छेदित होने की दृश्यता में बाधा या व्यवधान उत्पन्न होता हो,

(दो) राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों के दांयी ओर मार्ग के भीतर और राष्ट्रीय/राज्य राजमार्गों के यान मार्ग के छोर के 10 मीटर के भीतर,

(तीन) किसी लोक प्राधिकरण यथा यातायात प्राधिकरण, लोक परिवहन प्राधिकरण या स्थानीय प्राधिकरण या लोक निर्माण विभाग या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आदेशों के अधीन मार्ग से होते हुये यातायात के विनियमन के लिये परिनिर्मित किसी साइन बोर्ड के 50 मीटर के भीतर,

(चार) ऐसे रूप में जिससे लोक प्राधिकरणों द्वारा यातायात नियंत्रण के लिये परिनिर्मित किसी चिन्ह, संकेतक या अन्य युक्ति के निर्वचन में विघ्न व्यवधान उत्पन्न हो,

(पाँच) किसी मार्ग के पार लटकाये गये पट्टों, भित्ति पत्रकों, वस्त्र-झण्डियों या पत्रक पर जिनसे चालक का ध्यान विचलित होता हो और या इसलिये परिसंकटमय हो,

(छः) ऐसे रूप में जिससे पैदल चलने वालों के मार्ग में व्यवधान हो और चौराहे पर उनकी दृश्यता बाधित हो,

(सात) जब इनसे स्थानीय सुविधायें प्रभावित हों।

(3) निम्नलिखित प्रकार के प्रदीप्त विज्ञापनों और विज्ञापन पट्टों की अनुज्ञा नहीं होगी—

(एक) विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट जिनमें जनसेवा सूचना यथा समय, ताप, मौसम या दिनांक इंगित करने वाले प्रकाशों को छोड़कर कोई चौंधने वाले आंतरायिक या गतिमान प्रकाश अन्तर्विष्ट है, सम्मिलित है या जो उनके द्वारा प्रदीप्त है,

(दो) ऐसी सघनता या चमक वाले प्रदीप्त विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट जिससे चौंध उत्पन्न हो या चालक अथवा पैदल चलने वालों की दृष्टि बाधित होती हो, या जिससे किसी चालन किया में विघ्न पड़ता हो,

(तीन) विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट, जो इस रूप में प्रदीप्त हों जिससे कि किसी शासकीय यातायात विज्ञापन पट्ट, युक्ति या संकेतक का प्रभाव बाधित होता हो या क्षीण होता हो।

छत के ऊपर के विज्ञापन पट्टों के सम्बन्ध में निर्बन्धन—(1) किसी भवन की छत पर परिनिर्मित, प्रदर्शित या संप्रदर्शित किये जाने वाले विज्ञापनों या विज्ञापन पट्टों के मामले में केवल प्लास्टिक या वस्त्र पत्रक अनुमन्य है,

(2) नियम 6 और नियम 13 के अधीन रहते हुये, किसी भवन की छत पर विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट की ऊँचाई, ऐसे भवन की ऊँचाई की एक-तिहाई से अधिक नहीं होगी।

विज्ञापन पट्ट निम्नलिखित प्रकार के हैं—

(क) वैद्युत और प्रदीप्त विज्ञापन

(ख) भू-विज्ञापन

(ग) छत विज्ञापन

(घ) बरामदा विज्ञापन

(ङ) दीवार विज्ञापन

(च) प्रक्षिप्त विज्ञापन

(छ) विशेष प्रकार की छतरी विज्ञापन

(ज) आकाशीय विज्ञापन

(झ) पताका/झण्डी विज्ञापन

(ञ) शामियाना विज्ञापन

(ढ) गुब्बारा विज्ञापन

(ठ) अस्थायी विज्ञापन

(ड) सचल (मोबाइल) विज्ञापन

(ढ) विविध विज्ञापन

दुकानों पर विज्ञापन—किसी दुकान पर कोई भी विज्ञापन अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर की पूर्व अनुमति के बिना और शुल्क के पूर्व भुगतान के बिना दफती लटकाकर, स्टीकर चस्पा करके, पेंटिंग, लेखन द्वारा या किसी अन्य विधि से संप्रदर्शन द्वारा प्रदर्शित नहीं किया जायेगा।

स्पष्टीकरण—(एक) यदि बेचे जाने वाली दुकानों के नाम, वस्तुओं या सामानों के नाम, फलक लटकाकर, पेंटिंग द्वारा या किसी भी अन्य विधि से संप्रदर्शित या प्रदर्शित किये जाने तो उन्हें विज्ञापन नहीं माना जायेगा और वे इस उपविधि के अधीन अनुज्ञा शुल्क देय नहीं होगी।

(दो) यदि किसी वस्तु का उल्लेख हो और उसमें दुकान के नाम के साथ उसके गण आदि का विवरण हो और सामान्य जनता का ध्यान विज्ञापन के रूप में स्वतन्त्र रूप से आकर्षित कर रहा हो तो वह इस उपविधि के अधीन अनुज्ञा शुल्क देय होगी।

मार्गाधिकार (राष्ट्रीय या राज्य राजमार्ग को छोड़कर) के भीतर अनुज्ञा प्राप्त विज्ञापन—उसकी क्षमता, क्षेत्र के सम्पूर्ण सौन्दर्यबोध और सार्वजनिक सुरक्षा पर निर्भर करते हुये निम्नलिखित विज्ञापन को मार्गाधिकार के भीतर, राष्ट्रीय/राज्य राजमार्ग को छोड़कर अनुज्ञा प्रदान की जायेगी:—

- (1) मार्ग प्रकाश खम्भों पर विज्ञापन,
- (2) बस शेल्टर पर विज्ञापन
- (3) स्थानों की पहचान के लिये महत्वपूर्ण जंक्शनों पर विज्ञापन,
- (4) यातायात रोटरी क्लब और आइलैण्ड,
- (5) मैदानों/पंगडंडियों के किनारे रक्षक पट्टियाँ,
- (6) वृक्ष रक्षक (Tree Guards)
- (7) पुष्प पात्र स्टैंड्स (Flower pot stands)

छूट—(1) इस नियमावली की कोई बात निम्नलिखित विज्ञापनों एवं पट्टों पर लागू नहीं होगी :

(एक) यदि किसी कार्यालय, दुकान या अधिष्ठान का केवल नाम किसी ऐसे विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जाता है जो ऐसे कार्यालय, दुकान या अधिष्ठान पर परिनिर्मित या संस्थापित किया गया हो।

(दो) यदि किसी आवासीय भवन के स्वामी का केवल नाम व पता ऐसे भवन से लगे किसी विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जाये।

(तीन) किसी सरकारी या अर्द्धसरकारी कार्यालय का नाम व पता ऐसे परिसरों के भीतर रखें किसी विज्ञापन पट्ट पर प्रदर्शित किया जाये।

(चार) यातायात विभाग द्वारा प्रदत्त सभी यातायात विज्ञापन पट्ट, सिग्नल्स, यातायात चेतावनी और संदेश, किसी न्यायालय के आदेश या निर्देशों के अधीन संप्रदर्शित सभी नोटिस, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को इंगित करने वाले सभी विज्ञापन पट्ट, परन्तु इनकी माप 0.6 मीटर × 0.6 मीटर से अधिक न हो।

(पाँच) यदि विज्ञापन पट्ट किसी भवन की खिड़की के भीतर प्रदर्शित किये जाये किन्तु उसमें भवन का प्रकाश व संवातन प्रभावित न हो।

(छः) यदि यह ऐसी भूमि या भवन, जिस पर ऐसा विज्ञापन प्रदर्शित किया जाता है, के भीतर चलाये जा रहे व्यापार या कारोबार से या ऐसी भूमि या भवन के विक्रय, मनोरंजन या बैठक या अक्षरांकन या उसके भीतर किसी अन्य कार्य से या किसी ऐसी ट्रैमकार, ओमनीबस या अन्य वाहन, जिस पर ऐसा विज्ञापन प्रदर्शित किया जाता हो, के स्वामी द्वारा चलाये जा रहे व्यापार या कारोबार से संबंधित हो, परन्तु यह 1.2 मीटर से अधिक न हो।

(सात) यात्रा मार्ग निर्देश

(आठ) राजमार्ग विज्ञापन पट्ट

अस्थायी विज्ञापन—(1) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद बुलन्दशहर उसे ऐसे निबन्धन एवं शर्तों पर और ऐसी दर पर, जिसे वह उचित समझे, अनुज्ञा शुल्क के भुगतान पर अस्थायी विज्ञापन प्रतीक परिनिर्मित करने, प्रदर्शित करने, संप्रदर्शित करने, लगाने, चस्पा करने, लिखने, रेखांकन करने या लटकाने की अनुज्ञा प्रदान कर सकते हैं।

(2) प्रत्येक ऐसी अनुज्ञा के दिनांक से एक माह तक के लिये विधिमान्य होगी। ऊपर उल्लिखित अवधि की समाप्ति पर अनुज्ञा को अग्रतर एक माह के लिये बढ़ाया जा सकता है यदि अनुज्ञा की आवश्यकता किसी अग्रतर अवधि के लिये हो तो अधिशासी अधिकारी के समक्ष स्वीकृति का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना चाहिये।

विशेष नियंत्रण या क्षेत्र—(1) जब अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर की राय में इस उपविधि में निबन्धनों के अनुसार अन्यथा अनुज्ञात विज्ञापन युक्ति से पालिका परिषद के अधिकार क्षेत्र के भीतर किसी विशिष्ट क्षेत्र को क्षति पहुँचने या उसके विरूपित होने की सम्भावना हो, तो वह ऐसे को विशेष नियन्त्रण क्षेत्र घोषित कर सकता है। पार्को और भूमि को भी विशेष नियन्त्रण क्षेत्र के रूप में सम्मिलित किया जा सकता है।

(2) उप नियम (1) के उपबन्धों के अधीन रहते हुये, ऐसे क्षेत्र के भीतर किसी विज्ञापन का परिनिर्माण और प्रदर्शन निषिद्ध किया जायेगा या किसी प्रकार से सीमित किया जायेगा जैसा कि अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर द्वारा आवश्यक समझा जाये। अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर द्वारा निकाय की अधिकारिता वाले क्षेत्र में व्यापक प्रसार वाले किसी एक या अधिक समाचार-पत्रों में, ऐसे क्षेत्र की घोषणा करने के संबंध में अपने आशय को प्रकाशित करेगा। ऐसे क्षेत्र के भीतर सम्पत्ति का कोई स्वामी, जो ऐसी घोषणा से व्यथित अनुभव करे, ऐसे क्षेत्र की घोषणा के विरुद्ध ऐसे प्रकाशन से एक माह के भीतर अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर को अपील कर सकता है, जिसका विनिश्चय निर्णायक होगा।

(3) किसी बरामदा विज्ञापन की शब्दावली, विशेष नियंत्रण के किसी क्षेत्र में अधिशासी अधिकारी द्वारा अनुमत हो, स्वामी या फर्म के नाम तक सीमित होगी, जो उस परिसर का अध्यासी हो, भवन या संस्था का नाम, चलाये जा रहें साधारण व्यवसाय या व्यापार का नाम जैसे कि "ज्वैल्स", "कैफे", "डांसिंग" या भवन के प्रवेश की स्थिति के सम्बन्ध में सूचना हो सकती है या सिनेमा या नाटक के सम्बन्ध में या इसी प्रकार की कोई सूचना हो सकती है। किसी भी बरामदे के विज्ञापन के विशेष नियंत्रण के किसी क्षेत्र में व्यापार की किसी विशिष्ट वस्तु का विज्ञापन नहीं होगा और न ही मूल्य या मूल में कमी से सम्बन्धित ऐसा कोई विज्ञापन होगा।

(4) विशेष नियंत्रण के क्षेत्र में तीस मीटर दूरी के भीतर, उप नियम (3) में दिये गये के सिवाय सामान्यतय: कोई अन्य विज्ञापन पट्ट नहीं होगा।

निषिद्ध क्षेत्र की घोषणा—नगरपालिका या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार या केन्द्र सरकार किसी क्षेत्र या किन्हीं क्षेत्रों को विज्ञापन पट्टों का परिनिर्माण, प्रदर्शन, संप्रदर्शन, लगाना, चिपकाना, लेखन, आरेक्षण या लटकाने के लिये निषिद्ध घोषित करें।

झण्डियों पर रोक—(1) कोई भी व्यक्ति अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर से पूर्व में प्राप्त लिखित अनुज्ञा के बिना किसी झण्डी का प्रदर्शन, सम्प्रदर्शन या लटकाने की क्रिया नहीं करेगा।

(2) कोई भी अनुज्ञा, निकाय या राज्य सरकार या केन्द्र सरकार द्वारा निषिद्ध क्षेत्र के रूप में निर्धारित क्षेत्र में, इस उपविधि के अधीन प्रदान नहीं की जायेगी।

(3) इस उपविधि के उपबन्धों का उल्लंघन करने वाला कोई भी व्यक्ति ऐसी शास्ति का दायी होगा, जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर द्वारा अधिरोपित की जाये और वह प्रति झण्डी दो सौ रुपये से कम नहीं होगी।

(4) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, बुलन्दशहर इस नियम में निर्दिष्ट झण्डी को हटा सकता है और उसे समपहृत या विनिष्ट कर सकता है।

अनुरक्षण और निरीक्षण—(1) **अनुरक्षण—**सभी विज्ञापन जिनके लिये अनुज्ञा अपेक्षित है, अवलम्बो, बंधनी, रस्सा और स्थिरक के साथ भली प्रकार मरम्मत किये जायेंगे जो कि ढाँचागत और कलात्मक दोनों ही दृष्टिकोण से होगी और जब चमकीले या अनुमोदित अज्वलनशील सामग्री से निर्मित नहीं होंगे तो उन पर मोर्चा लगाने से रोकने के लिये रंग-रोगन किया जायेगा।

(2) **सुव्यवस्था**—प्रत्येक विज्ञापन के स्वामी का यह कर्तव्य और उत्तरदायित्व होगा कि वह विज्ञापन द्वारा छेके गये परिसर में सफाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य सम्बन्धी परिस्थितियों का ध्यान रखें

(3) **निरीक्षण**—प्रत्येक विज्ञापन, जिसके लिये परमिट जारी किया गया हो और प्रत्येक विद्यमान जिसके लिये कोई परमिट अपेक्षित हो, का निरीक्षण प्रत्येक पंचांग वर्ष में कम से कम एक बार किया जायेगा।

प्रवेश और निरीक्षण की शक्ति—अधिकांशी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर या इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत कोई निकाय अधिकारी या सेवक कोई निरीक्षण, खोज, पर्यवेक्षण, माप या जाँच करने के प्रयोजन के लिये या ऐसा कार्य निष्पादित करने के लिये जो इस उपविधि द्वारा या तदधीन प्राधिकृत हो या जो किसी प्रयोजन के लिये आवश्यक हो या इस उपविधि के किसी उपबन्ध के अनुसरण में सहायकों या श्रमिकों के साथ या उनके बिना किसी परिसर में या उस पर प्रवेश कर सकता है, परन्तु—

(एक) सूर्योदय और सूर्यास्त के मध्य के सिवाय और अध्यासी या अध्यासी न हो तो भवन या भूमि के स्वामी के युक्तियुक्त दिये बिना इस प्रकार का प्रवेश नहीं किया जायेगा।

(दो) प्रत्येक स्थिति में ऐसी भूमि या भवन से महिला, यदि कोई हो, को हट सकने के लिये पर्याप्त अवसर दिया जायेगा।

अनुज्ञा के भुगतान की रीति—अनुसूची-2 में विनिर्दिष्ट देय वार्षिक शुल्क एकल किश्त में संदेय होगा और जब तक पूर्ण धनराशि का भुगतान न किया जाये तब तक कोई विज्ञापन पट्ट या विज्ञापन परिनिर्मित नहीं किया जायेगा।

क्षेत्रों का वर्गीकरण—विज्ञापनों पर अनुज्ञा शुल्क के प्रयोजनार्थ क्षेत्र प्रतिषिद्ध क्षेत्र को छोड़कर अनुज्ञा शुल्क वर्गीकरण का विनिश्चय आवंटन समिति द्वारा किया जा सकेगा।

विज्ञापन पट्ट हटाये जाने की लागत—नियम 10 के उप नियम (1) में निर्दिष्ट किसी विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट को हटाने या साफ किये जाने की लागत निकाय द्वारा नियत की जायेगी।

अपराधों के लिये दण्ड और उनका प्रशमन—(1) इस उपविधि के उपबन्धों का किसी प्रकार का उल्लंघन ऐसे जुर्माने से जो पांच हजार रुपये तक हो सकता है और उल्लंघन करते रहने की दशा में प्रथम उल्लंघन की दोष सिद्धि के पश्चात् प्रत्येक ऐसे दिन के लिये, जिस दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहा, ऐसे जुर्माने से, जो पाँच सौ रुपये तक हो सकता है, दण्डनीय होगा।

(2) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुये भी, इस उपविधि के अधीन दण्डनीय किसी अपराध को अपराध के लिये निर्धारित धनराशि के आधे से अन्यून और तीन चौथाई से अधिक धनराशि वसूल करने पर अधिकांशी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर द्वारा इस निमित्त उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा प्रशमित किया जा सकता है।

अनुसूची-2

(नियम 25 देखें)

विज्ञापन और विज्ञापन पट्ट पर अनुज्ञा शुल्क की दरें

1—भूमि, दीवाल और भवन, सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट के निर्माण और प्रदर्शन के लिये—

वर्गीकरण श्रेणी	देय वार्षिक शुल्क (प्रति वर्ग मीटर)
प्रवर श्रेणी	रु0 2,000 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
अ श्रेणी	रु0 1,200 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
ब श्रेणी	रु0 1,000 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
स श्रेणी	रु0 800 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष

2—यदि इस प्रकार के विज्ञापन या विज्ञापन पट्ट विद्युत अथवा इलेक्ट्रानिक प्रकाश युक्ति द्वारा प्रतिबिम्बित हों तो मद (1) में विनिर्दिष्ट दरों पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त दरें होगी।

3—(1) शक्ति चालित चार पहिया वाहन एवं अन्य पर सचल विज्ञापन (सड़क प्रदर्शन को छोड़कर)

वर्गीकरण	देय वार्षिक शुल्क प्रतिवाहन/प्रति वर्ष
हल्का वाहन	रु0 5,000 प्रति वर्ष प्रति वाहन
भारी वाहन	रु0 20,000 प्रति वर्ष प्रति वाहन

(2) सड़क प्रदर्शन (रोड़ शो) निम्नलिखित दर पर—

	देय वार्षिक शुल्क प्रतिवाहन/प्रति वर्ष
(1) तीन पहिया	रु0 50 प्रति दिन
(2) चार पहिया	रु0 500 प्रति दिन
(3) छः पहिया	रु0 1,000 प्रति दिन

4—विद्युत तथा अन्य खम्भों पर विज्ञापन पट—

वर्गीकरण श्रेणी	देय वार्षिक शुल्क (प्रति वर्ग मीटर)
प्रवर श्रेणी	रु0 3,000 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
अ श्रेणी	रु0 2,000 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
ब श्रेणी	रु0 1,500 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
स श्रेणी	रु0 1,000 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष

5—पोस्टर रु0 300 (प्रति सैकड़ा)

6—परचा रु0 600 (प्रति सैकड़ा)

7—पताका (बैनर) रु0 100 (प्रति बैनर)

8—विद्युत या इलेक्ट्रानिक युक्त/परिवर्तनशील संदेश चिन्हों सहित प्रदीप्त चिन्ह—

वर्गीकरण श्रेणी	देय वार्षिक शुल्क (प्रति वर्ग मीटर)
प्रवर श्रेणी	रु0 1,200 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
अ श्रेणी	रु0 1,200 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
ब श्रेणी	रु0 1,200 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष
स श्रेणी	रु0 1,200 प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष

9—गुब्बारे रु0 500 प्रतिदिन

10—छतरी रु0 500 प्रतिदिन

11—एक स्तम्भ उपर्युक्त मद 1 के अनुसार

12—अन्य प्रकार के विज्ञापन उपर्युक्त मद 4 के अनुसार

प्रपत्र सं०.....

मूल्य रु0 1,000 /—

अनुसूची

(नियम 5 (1) देखें)

विज्ञापन चिन्ह स्थापित करने की अनुमति हेतु आवेदन—पत्र

1—आवेदक/विज्ञापनकर्ता का नाम.....

2—अभिकरण, प्रतिष्ठान, कम्पनी या संस्था का नाम.....

3—पता

.....

4—आवेदित विज्ञापन या विज्ञापन पट का प्रकार

पास पोर्ट आकार
का चित्र

- 5-विज्ञापन या विज्ञापन पट का आकार
- 6-स्थल मानचित्र सहित स्थल की अवस्थिति.....
- 7-भूमि, भवन या स्थान के स्वामी या अध्यासी का नाम
- 8-क्या यह सार्वजनिक स्थल है या व्यक्तिगत भूमि या भवन है ?
- 9-(एक) यदि व्यक्तिगत स्थल या भवन है तो स्वामित्व प्रमाण-पत्र के साथ स्वामी की लिखित अनुमति संलग्न की जाये।
- (दो) स्वामी द्वारा इस आशय का वचन-पत्र, कि चूक की दशा में वह विज्ञापनकर्ता को देयकर के भुगतान का दायी होगी, संलग्न करें।
- (तीन) अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर द्वारा अनुमोदित संरचना अभियन्ता द्वारा दिया गया क्षमता सम्बन्धी।
- 10-(एक) अनुसूची-2 के अनुसार वार्षिक कर
- (दो) किश्त की धनराशि
- 11-कोई अन्य विवरण.....
-

संलग्नक.....

दिनांक:-

आवेदक का हस्ताक्षर

स्पष्टीकरण-1-इस अनुसूची में विनिर्दिष्ट अनुज्ञा शुल्क की दरें अनुवर्ती वित्तीय वर्ष जिसमें यह नियमावली प्रवृत्त हुई हो, के दो वित्तीय वर्षों की समाप्ति के बाद दस प्रतिशत तक बढ़ी हुई समझी जायेगी। तत्पश्चात् इसी प्रकार की वृद्धि प्रत्येक दो वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी होगी।

2-स्पष्टीकरण (1) के अन्तर्गत वृद्धि की गणना के उद्देश्य से रुपये का कोई भाग छोड़ दिया जायेगा।

3-अनुज्ञा शुल्क अग्रिम रूप से संदेय योग्य होगा।

4-यदि किसी वित्तीय वर्ष में विज्ञापन की अवधि 6 मास से अधिक नहीं होती है तो विनिर्दिष्ट वार्षिक अनुज्ञा शुल्क की दर पचास प्रतिशत कम कर दी जायेगी।

5-यदि कोई विज्ञापनकर्ता किसी विज्ञापन को 3 माह से अधिक अवधि के लिये प्रदर्शित करना चाहता है तो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर को निर्देश दे सकता है कि अनुज्ञा शुल्क मासिक आधार पर आगणित होगा किन्तु एक किश्त में वसूला जायेगा।

6-अनुज्ञा शुल्क के सभी अवशेष अधिनियम के अध्याय इक्कीस के अनुसार वसूली योग्य होंगे।

मनोज गर्ग,
अध्यक्ष,
नगरपालिका परिषद्,
बुलन्दशहर।

कार्यालय, नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर

17 फरवरी, 2020 ई0

सं0 1297/सा0वि0/19-20-उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2, सन् 1916) की धारा 153 और 296 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके, राज्यपाल जिस नियमावली को बनाने का प्रस्ताव करती हैं, उसका निम्नलिखित प्रारूप, पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 300 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उत्तर प्रदेश शासन, नगर विकास अनुभाग-9 संख्या 2191/नौ-9-19-85ज/05 टी0सी0-1 लखनऊ दिनांक 18 नवम्बर, 2019 से जारी अधिसूचना पर बोर्ड के प्रस्ताव संख्या-434, दिनांक 25 जनवरी, 2020 के द्वारा बहुमत से निर्णय लिया गया है। जिसको समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों की सूचना के लिए और उसके सम्बन्ध में आपत्तियों और सुझाव आमन्त्रित करने की दृष्टि से एतद्वारा प्रकाशित किया गया था। प्रस्तावित उपविधि के सम्बन्ध में प्राप्त आपत्तियाँ/सुझाव पर अधिशासी अधिकारी द्वारा आपत्तिकर्ताओं की आपत्ति पर दिनांक 30 मार्च, 2020 को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान करके आपत्तियों का निस्तारण किया गया। (उक्त उपविधि 2019 अन्तिम प्रकाशन/गजट की तिथि से लागू होगी।)

भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर नियमावली, 2019

1-संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) यह नियमावली, उत्तर प्रदेश नगर पालिका (भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर) नियमावली, 2019 कही जाएगी।

(2) यह उत्तर प्रदेश की नगरपालिका परिषद्, बुलन्दशहर में लागू है।

(3) यह गजट में प्रकाशित होने की दिनांक से प्रवृत्त होगी।

2-परिभाषायेँ—(1) जब तक विषय या संदर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में—

(क) “अधिनियम” का तात्पर्य उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 से है ;

(ख) “वार्षिक मूल्य” का तात्पर्य अधिनियम की धारा 140 में निर्दिष्ट वार्षिक मूल्य से है ;

(ग) “फर्शी क्षेत्रफल” का तात्पर्य अधिनियम की धारा 140 की उपधारा(1) के स्पष्टीकरण(एक) में निर्दिष्ट फर्शी क्षेत्रफल से है ;

(घ) “आच्छादित क्षेत्रफल” का तात्पर्य कुर्सी क्षेत्र के ऊपर प्रत्येक तल के आच्छादित क्षेत्रफल से है जिस पर भवन निर्मित हो ;

(ङ) “प्रपत्र” का तात्पर्य इस नियमावली से अनुलग्न किसी प्रपत्र से है ;

(च) “भवन समूह” का तात्पर्य नियम-4 के अधीन उल्लिखित भवन समूह से है ;

(छ) “भू-समूह” का तात्पर्य नियम-4 के अधीन उल्लिखित भू-समूह से है ;

(ज) “कच्चा भवन” का तात्पर्य ऐसे भवन से है जो पक्का भवन न हो ;

(झ) “मासिक किराया दर” का तात्पर्य नियम-5 के अनुसार अधिशासी अधिकारी द्वारा विहित, यथास्थिति किसी भवन के फर्शी क्षेत्रफल या भूमि के प्रति वर्गफुट मासिक किराया से है ;

(ञ) “नगर पालिका” का तात्पर्य नगर पालिका परिषद्, बुलन्दशहर से है ;

(ट) “अनावासीय भवन” का तात्पर्य ऐसे किसी भवन या स्थान या भूमि या गृह या उसके आंशिक भवन से है जो आवासीय न हो और जो अधिनियम की धारा 140 की उपधारा(1) के खण्ड(क) अधीन आच्छादित हो ;

(ठ) “अधिसूचित बैंक” का तात्पर्य स्वनिर्धारण विवरण के साथ कर धनराशि को जमा करने के लिए नगरपालिका द्वारा अधिसूचित बैंक या बैंकों से है ;

(ड) “अन्य पक्का भवन” का तात्पर्य ऐसे किसी भवन से है जिसकी दीवारें पक्की हों और छत, एस्बेस्टस शीट या फाइबर, ग्लास या ऐसी ही अन्य प्रकार की सामग्रियों से तैयार हो और फर्श में मार्बल, टाइल्स, मोजैक या उसी प्रकार की अन्य सामग्रियों का प्रयोग न किया गया हो ;

(ढ) "पक्का भवन" का तात्पर्य ऐसे किसी भवन से है, जिसकी दीवारें ईंट या पत्थर या अन्य सामान सामग्री से निर्मित हो, अथवा जिसके आधार खम्भे आदि स्टील, लौह, ग्लास या अन्य समान प्रकार की धातुओं से निर्मित हो ;

(ण) "सम्पत्ति" का तात्पर्य यथास्थिति, किसी भवन या भूमि या दोनों से है ;

(त) "आवासिक भवन" का तात्पर्य ऐसे भवन से है जिसकी प्रत्येक इकाई उसमें रहने वाले किसी व्यक्ति के अध्यासन में हो और उनमें ऐसा कोई भवन सम्मिलित होगा जिनमें आवासिक उपयोग का उपबंध हो, किन्तु जिसमें वाणिज्यिक प्रयोजन हेतु प्रयुक्त किया जा रहा कोई होटल, लाज या कोई अन्य भवन सम्मिलित नहीं होगा ;

(थ) "स्व-निर्धारण विवरण" का तात्पर्य किसी स्वामी या अध्यासी द्वारा प्रपत्र "क" या "ग" में भरे जाने वाले स्व निर्धारण विवरण से है।

(2) इस नियमावली में प्रयुक्त एवं अपरिभाषित किन्तु अधिनियम में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में उनके लिये समनुदेशित हो।

3-किसी भवन या भूखण्ड के फर्शी क्षेत्रफल और अन्य क्षेत्र का विवरण-(1) नगर क्षेत्र में प्रकाशित होने वाले कम से कम दो दैनिक समाचार-पत्रों में सूचना प्रकाशित करके भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर करों के भुगतान के लिए उत्तरदायी, स्वामियों या अध्यासियों से प्रपत्र "ख" और प्रपत्र "घ" में यथास्थिति आवासिक भवन या भूखण्ड के फर्शी क्षेत्रफल और अन्य क्षेत्रफल या अनावासिक भवन के आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल के संबंध में प्रत्येक दो वर्ष में एक विवरण कर निर्धारण के प्रयोजनार्थ उक्त सूचना में नियत दिनांक तक प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है।

(2) अधिशासी अधिकारी सम्पत्ति के स्वामी या अध्यासी की सुविधा के लिए प्रपत्र "ख" और "घ" में विवरण प्रस्तुत करने के लिए नगर के विभिन्न वार्डों के लिए विभिन्न स्थानों को नियत कर सकता है।

(3) जब कभी स्वामी द्वारा अध्यासित या खाली भवन को किराये पर दिया जाए या इसके विपरीत हो, तो ऐसा होने के साठ दिन के भीतर स्वामी के लिए प्रपत्र "ख" और "घ" में एक नया विवरण प्रस्तुत करना आज्ञापक होगा।

(4) जब कभी निर्माण या पुनर्निर्माण के कारण आच्छादित क्षेत्रफल में 25 प्रतिशत या उससे अधिक का सम्बर्द्धन किया जाता है तो निर्माण के समापन या अध्यासन के दिनांक से, साठ दिन के भीतर, यथास्थिति स्वामी या अध्यासी के लिये प्रपत्र "ख" और "घ" में एक नया विवरण प्रस्तुत करना आज्ञापक होगा।

4-सम्पत्ति का वर्गीकरण-(1) नगरपालिका अधिनियम की धारा 140 के उपबंधों के अंतर्गत आने वाली सम्पत्ति की अवस्थिति का वार्डवार वर्गीकरण कराया गया है और तत्पश्चात् प्रत्येक वार्ड के भीतर सम्मिलित मोहल्लों के आधार पर सम्पत्ति की अवस्थिति के आधार पर इसे वर्गीकृत किया गया है।

(2) नगरपालिका अधिनियम की धारा 140 के उपबंधों के अंतर्गत आने वाले भवनों के निर्माण की प्रकृति का वर्गीकरण निम्नलिखित आधार पर रहेगा-

[क] पक्का भवन, आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित;

[ख] अन्य पक्का भवन;

[ग] कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन, जो खण्ड(क) और (ख) से आच्छादित नहीं है।

(3) नगर पालिका ने तदनुसार ही वार्डों में दर्शाए गए समस्त भवनों को अधिकतम पाँच समूहों की संख्या में और समस्त रिक्त भूखण्डों के मामले में अधिकतम पाँच विभिन्न समूहों की संख्या में वर्गीकरण किया है।

5-न्यूनतम मासिक किराये की दर का निर्धारण-(1) अधिशासी अधिकारी, वार्ड के भीतर प्रत्येक दो वर्ष में एक बार यथास्थिति प्रत्येक भवन समूह के लिए फर्शी क्षेत्रफल की प्रति इकाई क्षेत्रफल (रुपये प्रति वर्गफुट) हेतु न्यूनतम मासिक किराए की दर या प्रत्येक भूमि समूह के लिए क्षेत्रफल की प्रति इकाई क्षेत्रफल (वर्गफुट) लागू न्यूनतम मासिक किराए की दर की गणना करेगा और निम्नलिखित को ध्यान में रखते हुए आवासिक भवन या भूमि के रूप में किराया दर नियत करेगा-

(नगर में स्थित मार्गों/मोहल्लों में स्थित आवासीय भवनों पर स्वकर निर्धारण हेतु निर्धारित मूल्य दर प्रतिवर्ग फुट)

ए-श्रेणी—काला आम चौराहे से अम्बेडकर पार्क, काला आम चौराहे से डी0एम0 रोड पालिका सीमा तक, काला आम चौराहे से चांदपुर फाटक तक, कलैक्ट्रेट गेट से डी0ए0बी0 पलाई ओवर पुल तक, मेडिसन मार्केट, अन्सारी रोड से जवाहर पार्क चौक बाजार, जवाहर पार्क से कबाड़ी बाजार चौराहा, अम्बेडकर चौराहे से डिप्टीगंज चौराहा, काला आम से नदी पुल रोड बनारसी दास पार्क, गंगा मन्दिर से बूरा बाजार चौराहे तक, मंडी फतह गंज, अम्बेडकर चौराहे से डी0ए0बी0 तिराहे तक, काला आम चौराहे से दिल्ली रोड भूड चौराहे तक, यादगार चौकी से मोती बाग गेट तक, लल्लाबाबू चौराहे से जिला जज कॉलोनी तक, लल्लाबाबू चौराहे से महेश पार्क तक, जनपद न्यायालय गेट से शनिदेव मन्दिर रोड ऑलसेन्ट स्कूल तक।

भवन की स्थिति कच्चा भवन	अर्द्धपक्का भवन	पक्का भवन	रिक्त भूमि
0.80	0.90	1.00	0.40

बी-श्रेणी—मामन चौकी से ऊपरकोट सीढ़ियों तक, मामन चौकी से मामन रोड पालिका सीमा तक, मामन चौकी से रोडवेज वर्कशाप तक, देवी मन्दिर से बाईपास पुलिया तक, डी0ए0बी0 तिराहे से वलीपुरा नहर तक, डी0ए0बी0 तिराहे से काली नदी नये पुल तक, धमैड़ा रोड पालिका सीमा तक, बनारसीदास पार्क से स्याना रोड पालिका सीमा तक, बनारसीदास पार्क से अनूपशहर रोड पालिका सीमा तक, बनारसीदास पार्क से शिकारपुर रोड पालिका सीमा तक, सेठो वाली गली, काली मन्दिर से शमशान घाट देवीपुरा, बूरा बाजार चौराहे से शास्त्री पार्क, लाल तालाब सब्जी मंडी, लाल तालाब चौराहे से कृष्णा नगर डी0एम0 रोड तक, नुमाईश फाटक से डी0एम0 रोड तक, आवास विकास चौकी से डी0एम0 रोड तक, काला आम छोटे पीर से राजेबाबू रोड तक, ए0आर0टी0ओ0 ऑफिस से डी0पी0एस0 स्कूल तक, चांदपुर फाटक से नयागांव जी0टी0 रोड तक, गुलावठी रोड पालिका सीमा से चांदपुर रोड वलीपुरा नहर के मोड़ तक, मिर्चीटोला, कबाड़ी बाजार, सुनारों वाली गली, रेलवे स्टेशन रोड (अन्य व्यावसायिक क्षेत्र)।

भवन की स्थिति कच्चा भवन	अर्द्धपक्का भवन	पक्का भवन	रिक्त भूमि
0.75	0.80	0.90	0.30

सी-श्रेणी—मौलाना आजाद रोड, मीना कूलर से रघुनाथ मार्केट तक, मामन चौकी चौराहे से सरायधारी पुल होकर कबाड़ी बाजार चौराहे तक, नरसलघाट चौकी के सामने जामा मस्जिद होकर मौलाना आजाद रोड तक, शास्त्री पार्क से आवास विकास चौकी तक, शास्त्री पार्क से देवीपुरा भवन मन्दिर तक।

भवन की स्थिति कच्चा भवन	अर्द्धपक्का भवन	पक्का भवन	रिक्त भूमि
0.70	0.75	0.80	0.25

डी-श्रेणी—आर0के0 पुरम, सुशीला बिहार-प्रथम, द्वितीय, रामा एन्क्लेव, पल्लव विहार, यमुनापुरम, आवास विकास प्रथम व द्वितीय, शान्ति निकेतन, कोठियात, शिकारपुर कम्पाउण्ड, शक्तिनगर, ममफोर्ड गंज, शिवपुरी, पन्नीनगर, हरि एन्क्लेव, शान्ती नगर, पटेल नगर, गिरधारी नगर, यादव नगर, स्टेट बैंक कॉलोनी, भगवानपुरा, बाबूपुरा, अम्बा एन्क्लेव, दुर्गापुरम, मान सरोवर, भूड, हंस विहार, सूर्यनगर-प्रथम, सूर्यनगर-द्वितीय, लक्ष्मीनगर, प्रीत विहार, शिव आवासीय कॉलोनी, देवीपुरा प्रथम व द्वितीय, न्यूराज नगर, मोहन नगर, धर्म एन्क्लेव, राधानगर, साठा, शेख सराय, गंज कोहना, सराय लोधगान, हरीशचन्द्र नगर, सराय गुसाई, सराय कुडिया, शीतलगंज, ईटा रोडी, मदरसा, ब्रह्मनपुरी, सराय कोहना, अमर माया कॉलोनी, शास्त्रीनगर, आदर्शनगर, अकबरपुर, लाजपतपुरी, नजीमपुरा, रेसकोर्स कॉलोनी, फ्रेन्डर्स कॉलोनी, आदर्श नगर, सुन्दरीपुरी, सराय चौधरीयान, सरायठेरा, आराजियात, सराय रामसुख।

भवन की स्थिति कच्चा भवन	अर्द्धपक्का भवन	पक्का भवन	रिक्त भूमि
0.40	0.45	0.55	0.15

ई-श्रेणी—चांदपुर, नयागांव, सुन्दर नगर, इन्दिरा कॉलोनी, नेहरू नगर, इस्लामाबाद, इन्दिरा नगर, टांडा, फैसलाबाद, गाँधीनगर, दयालबाग, हरीपुरा, तुर्कमान, सराय बलिहारान, सरायधारी, टंटान, मनिहारान, चौधरीयान, कानूनगोयान, बहलीमान, चौहट्टा, खत्तीवान, पीरजादगान, छत्ता, कायस्थान, किदवई नगर, मुस्तफागढ़ी, सैकिलग्रान,

पड़ोकियान, अवरजिंदयान, खिड़की, फर्शाशन, काजीवाड़ा, अंसारियान, चौखुन्टी, सरायकाजी, कस्सावान, सादात, गद्दीयान, मृदगान, शेखान, नरसलघाट, रुकन सराय।

भवन की स्थिति कच्चा भवन	अर्द्धपक्का भवन	पक्का भवन	रिक्त भूमि
0.25	0.30	0.35	0.10

नोट-1—उक्त वर्णित मोहल्ले के अतिरिक्त कोई नया मोहल्ला या छूटा हुआ मोहल्ला उसके पास में सम्मिलित माना जायेगा।

2—उक्त वर्णित दरों से अनावसीय सम्पत्तियों का स्वकर निर्धारण गुणांक के आधार पर किया जायेगा।

3—उक्त रिक्त भूमि/भू-खण्ड की दरें व्यावसायिक प्रयोग होने पर लागू होगी।

(क) भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 के प्रयोजन के लिए कलेक्टर द्वारा नियत सर्किल दर, और

(ख) ऐसे भवन या भूमि के लिए क्षेत्र में वर्तमान न्यूनतम किराया दर;

परन्तु यह कि ऐसे मासिक किराए की दर प्रति इकाई क्षेत्रफल नियत करने के पूर्व अधिशासी अधिकारी ऐसी प्रस्तावित दरों को नगर में परिचालन वाले दो दैनिक समाचार-पत्रों में अधिसूचित करेगा और तत्पश्चात् हितबद्ध व्यक्तियों को आपत्तियां दाखिल करने के लिए न्यूनतम पन्द्रह दिन का समय देगा। किसी वार्ड में प्राप्त आपत्तियों का भिन्न-भिन्न बण्डलों की अधिकतम संख्या में समूह बनाने के पश्चात् ऐसी सभी आपत्तियों पर वार्डवार सुनवाई की जाएगी। प्रत्येक बण्डल में, यथास्थिति भवनों के एक समूह या भूमि के एक समूह के लिए प्राप्त आपत्तियाँ अन्तर्विष्ट रहेंगी। समस्त आपत्तियों का निस्तारण, अधिशासी अधिकारी द्वारा आपत्तिकर्ताओं की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत व्यक्तियों को सुनवाई का अवसर प्रदान करने के पश्चात् किया जाएगा। यह आवश्यक नहीं होगा कि समस्त आपत्तिकर्ताओं को या हितबद्ध व्यक्तियों को व्यक्तिगत रूप से सुना जाए। आपत्तियों का बण्डलवार विनिश्चय किया जाएगा।

स्पष्टीकरण—भवन, भूमि या दोनों के स्वकर निर्धारण के प्रयोजनार्थ 80 प्रतिशत आच्छादित क्षेत्रफल को फर्शी क्षेत्रफल के रूप में माना जा सकता है।

(2) अनावसिक भवनों और भूमि के मामले में आच्छादित क्षेत्रफल और भूमि का प्रति इकाई क्षेत्रफल मासिक किराए की दर, उपनियम(1) के अधीन नियत किराए की मासिक दर का गुणांक होगा, जैसा कि नीचे अनुसूची में उल्लिखित है—

अनुसूची

श्रेणी	सम्पत्ति का विवरण	अनावसिक भवन की मासिक किराये की दर
1	2	3
1	सरकारी अथवा गैर सरकारी छात्रावास, स्वीमिंग पूल, क्रीड़ा केन्द्र तथा जिम, शारीरिक स्वास्थ्य केन्द्र, थियेटर जिनका प्रयोग मात्र सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु होता हो, जिसमें वैवाहिक समारोहों से संबंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्मिलित नहीं है, संगीत एवं नृत्यकेन्द्र, सूक्ष्म एवं लघु औद्योगिक इकाइयाँ(उद्योग विभाग की परिभाषानुसार), एकल स्क्रीन सिनेमाघर(जो माल्स में स्थित नहीं हैं)	उपनियम (1) के अधीन नियत दर के समान।
2	महाविद्यालय, स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं वृहद् उद्योग (उद्योग विभाग की परिभाषानुसार), मेडिकल स्टोर, प्रत्येक प्रकार के वाणिज्यिक काम्पलेक्स, स्थापित बाजारों में स्थित स्पोर्ट काम्पलेक्स, टेन्ट हाउस, भवन निर्माण सामग्री की दुकान और गैर सरकारी कोचिंग सेन्टर	उपनियम (1) के अधीन निर्धारित दर का दो गुना।

1	2	3
3	सरकारी, अर्द्ध सरकारी अथवा गैर सरकारी, कार्यालय भवन, सार्वजनिक उपक्रम, राजकीय निगम और बोर्ड आदि, क्लीनिक, पालीक्लीनिक, डेन्टल क्लीनिक, डायग्नोस्टिक केन्द्र, पैथोलाजी लैब, नर्सिंगहोम, चिकित्सालय और स्वास्थ्य परिचर्या केन्द्र, फिजियोथिरेपी केन्द्र, प्रसूति गृह, प्राविधिक विश्वविद्यालय, मेडिकल कालेज एवं डेन्टल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज, प्रबन्ध संस्थान, विधि संस्थान एवं अन्य व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान, पेट्रोल पम्प, गैस एजेन्सी, डिग्री और गोदाम आदि, सामुदायिक भवन, कल्याण मण्डप, विवाह क्लब, आडीटोरियम(प्रेक्षागृह), सामुदायिक केन्द्र, स्टार रहित होटल, एक सितारा और उससे ऊपर के होटल, टावर और होर्डिंग वाले भवन, टेलीविजन टावर, दूरसंचार टावर या कोई अन्य टावर जो भवन की सतह पर या शिखर पर या खुले स्थान पर प्रतिस्थापित किए जाते हैं, बैंक, बैंक ए0टी0एम0, फाइनेंस कम्पनियां, निजी क्षेत्र के कार्यालय और निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान, माल्स, पब्स, बार, वासगृह जहाँ भोजन के साथ मदिरा भी परोसी जाती है	उपनियम (1) के अधीन निर्धारित दर का तीन गुना।
4	अन्य प्रकार के अनावासिक भवन जो उपर्युक्त श्रेणी में उल्लिखित नहीं हैं	उपनियम (1) के अधीन निर्धारित दर का तीन गुना।

6—न्यूनतम मासिक किराए की दर का प्रकाशन—जब नियम 5 के अधीन आपत्तियों का विनिश्चय कर लिया जाये तो नगर पालिका ऐसे नगर में परिचालित होने वाले दो दैनिक समाचार-पत्रों यथास्थिति, वार्ड के भीतर भवनों के प्रत्येक समूह के लिए, फर्शी क्षेत्रफल के प्रतिवर्ग फुट किराए की न्यूनतम मासिक दर या भूमि के प्रत्येक समूह के लिए क्षेत्रफल के प्रति वर्गफुट लागू किराये की न्यूनतम मासिक दर अधिसूचित करेगा और तत्पश्चात् यह अंतिम हो जाएगी।

7—कर निर्धारण—(1) कर का निर्धारण निम्नलिखित के आधार पर किया जायेगा—

(क) [एक] आवासिक भवन के वार्षिक मूल्य की गणना :

$$\text{फर्शी क्षेत्रफल} \times \text{निर्धारित प्रति इकाई क्षेत्रफल मासिक किराया दर} \times 12 = 10\%$$

या

$$\text{आच्छादित क्षेत्रफल का 80 प्रतिशत} \times \text{निर्धारित प्रति इकाई क्षेत्रफल मासिक किराया दर} \times 12 = 10\%$$

[दो] आवासिक भूमि के वार्षिक मूल्य की गणना :

$$\text{भूमि का क्षेत्रफल} \times \text{निर्धारित प्रति इकाई क्षेत्रफल मासिक किराया दर} \times 12 = 10\%$$

(ख) [एक] अनावासिक भवन के वार्षिक मूल्य की गणना—

$$\text{आच्छादित क्षेत्रफल} \times \text{आवासिक भवन की दर के गुणांक के आधार पर नियत प्रति इकाई क्षेत्रफल की मासिक दर} \times 12 = 10\%$$

[दो] अनावासिक भूमि के वार्षिक मूल्य की गणना—

$$\text{भूमि का क्षेत्रफल} \times \text{आवासिक भूमि की दर के गुणांक के आधार पर नियत प्रति इकाई क्षेत्रफल मासिक दर} \times 12 = 10\%$$

(2) **संदेय कर**—अधिनियम की धारा 131 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन नियत दरों के अनुसार कर वार्षिक मूल्य के आधार पर संदेय होंगे।

(3) **सेवा प्रभार**—उपनियम (2) के आधार पर निर्धारित कर के 75 प्रतिशत, 50 प्रतिशत या 33.33 प्रतिशत दर पर आंगणित सेवा प्रभार नगर पालिका के माध्यम से उपबधित पूर्ण या आंशिक या शून्य सेवाओं के उपयोग के आधार भारत संघ या उसके विभागों द्वारा संदेय होंगे।

(4) **स्व निर्धारण**—भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर भुगतान के लिये मुख्यतः दायी व्यक्ति या अन्य दायी व्यक्ति, नियम 4 और नियम 4 के उपबंधों के अनुसार निर्धारित कर, नियम 3 में अपेक्षित विवरणी के साथ यथास्थिति प्रपत्र 'क' या प्रपत्र 'ग' में सम्पत्ति का विवरण अंकित करते हुए अधिशासी अधिकारी द्वारा विहित अधिसूचित बैंकों या अन्य स्थानों में नियम 3 के उपनियम (1) के अधीन निर्धारित दिनांक तक चालान के साथ जमा करेगा।

(5) **प्रोत्साहन**—अनावासिक भवनों के स्वामियों या अध्यासियों को प्रोत्साहन, यथास्थिति, भवन या भूमि के वार्षिक मूल्य में निम्नलिखित रीति से प्रदान किया जा सकता है :

[क] ऐसे भवन, जिसमें वर्षा जल संचयन या भूगर्भ जल संभरण की प्रणाली संस्थित हो और प्रचालन में हो या कम से कम 40 प्रतिशत क्षेत्रफल वृक्षारोपण और हरियाली द्वारा आच्छादित हो या समुचित और पर्याप्त पार्किंग स्थान उपलब्ध हो या यदि व्यापार या विनिर्माण या ऐसे अन्य क्रियाकलापों में लगा हो जिससे प्रदूषण उत्पन्न होता हो किन्तु प्रभावकारी प्रदूषणरोधी उपाय अपनाये गए हों तो उसके वार्षिक मूल्य में प्रत्येक हेतु 2 प्रतिशत की छूट प्रदान करते हुए प्रोत्साहन प्रदान किया जायेगा :

परन्तु यह कि उपर्युक्त प्रोत्साहन इस खण्ड में उल्लिखित सुविधाओं और उपायों की विद्यमानता और उनके उचित रखरखाव का सत्यापन करने के पश्चात् वर्षानुवर्ष आधार पर प्रदान किये जायेंगे।

[ख] खण्ड (क) में यथा उल्लिखित ऐसे भवन के वार्षिक मूल्य में प्रत्येक हेतु 2 प्रतिशत तक की वृद्धि की जाएगी, यदि उक्त भवन में खण्ड (क) में उल्लिखित उपाय उपबंधित न किये गये हों।

8—निर्धारण सूची—(1) समस्त भवनों या भूमियों या दोनों के सम्बन्ध में निर्धारण सूची, कर गणना के पश्चात् निम्नलिखित आधार पर तैयार की जायेगी—

[क] भवनों तथा भूमियों के संबंधित स्वामियों या अध्यासियों द्वारा प्रपत्र 'क', 'ख', 'ग' और 'घ' में प्रस्तुत किये गये विवरण; या

[ख] अधिशासी अधिकारी द्वारा इस निमित्त संग्रहीत सूचना, जहां प्रपत्र क, ख, ग या घ में सूचनायें विहित समय के भीतर प्रस्तुत न की जाय। इस स्थिति में फर्शी क्षेत्रफल की गणना भवन के आच्छादित क्षेत्रफल के 80 प्रतिशत के आधार पर की जाएगी।

[ग] निर्धारण सूची में निम्नलिखित समाविष्ट होंगे,

(एक) सड़क और मोहल्ले, जिनमें सम्पत्ति स्थित हो, का नाम,

(दो) नाम, संख्या या किसी अन्य विनिर्दिष्ट, जो पहचान के लिए पर्याप्त हो, द्वारा सम्पत्ति का अभिधान,

(तीन) स्वामी का नाम, चाहे सम्पत्ति स्वामी द्वारा अध्यासित हो या किराये पर हो, यदि किराये पर हो तो, किरायेदार का नाम,

(चार) भवन या भूमि समूह के लिए फर्शी क्षेत्रफल आधारित तथा फर्शी क्षेत्रफल आधारित प्रति वर्ग फुट न्यूनतम मासिक किराया दर,

(पाँच) भवन का फर्शी क्षेत्रफल या आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि का क्षेत्रफल या दोनों,

(छः) भवन निर्माण का वर्ष,

(सात) भवन निर्माण की प्रकृति,

(2) **स्वकर निर्धारण से सम्बन्धित सूची**—ऐसे आवासिक भवन, जिनके लिये स्वनिर्धारित कर प्रपत्र-क में और ऐसे अनावासिक भवन जिनके लिये स्वनिर्धारित कर प्रपत्र-ग में विहित समय के भीतर जमा कर दिये गये हों, उपनियम (1) में तैयार की गयी निर्धारण सूची में प्रविष्ट किये जायेंगे :

परन्तु यह कि किसी शिकायत या जाँच के आधार पर, यदि कोई विवरण सही नहीं पाया जाता है तो सूची में प्रविष्ट विवरण एवं उसमें निर्धारित कर को पुनरीक्षित किया जाएगा तथा कारण बताओ नोटिस के पश्चात् शास्ति अधिरोपित की जाएगी।

9—सूची का प्रकाशन एवं आपत्तियों की प्राप्ति—(1) जब सम्पूर्ण नगर या उसके किसी भाग की निर्धारण सूची तैयार हो जाय तब नगर पालिका या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिशासी अधिकारी, उस स्थान एवं समय के सम्बन्ध में जहाँ और जब उक्त सूची का निरीक्षण किया जाये, ऐसे नगर में परिचालन वाले दो दैनिक समाचार-पत्रों में उसे प्रकाशित करायेगा ;

(2) भवन के फर्शी क्षेत्रफल या आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल की गणना या अन्य प्रविष्टियों तथा छूटों के सम्बन्ध में आपत्तियां, अधिशासी अधिकारी को संबोधित करके सार्वजनिक सूचना प्रकाशित किये जाने के पश्चात् एक माह की अवधि के भीतर लिखित रूप में प्रेषित की जाएगी। तत्पश्चात् मासिक किराया दर के निर्धारण से संबंधित किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा;

(3) नगर पालिका या उसके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत अधिशासी अधिकारी, आपत्तिकर्ताओं को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् आपत्तियों का निस्तारण करेगा।

10-करों का भुगतान—नगर पालिका, नियम 4, 7 और 8 के अधीन भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर निर्धारित कर भुगतान हेतु स्वामी या अध्यासी को, उस रीति से जैसा कि वह उचित समझे बिल भेजेगा जिसमें एक ऐसा दिनांक उपदर्शित किया जायेगा, जब तक यह अधिसूचित बैंकों या नगर पालिका के कार्यालय में जमा किया जायेगा। यदि विहित दिनांक तक कर की सम्पूर्ण धनराशि जमा नहीं की जाती है तो उस धनराशि पर, जो असंदत्त रह गई हो, बारह प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से साधारण ब्याज, कर भुगतान के लिये निर्धारित दिनांक से भुगतान के दिनांक तक संदेय होगा।

11-स्वकर निर्धारण—भवन या भूमि या दोनों के सम्बन्ध में कर भुगतान के लिए मुख्यतः दायी स्वामी या अध्यासी, अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर स्वयं अवधारित कर सकता है और उसके द्वारा इस प्रकार निर्धारित कर को स्वः निर्धारण विवरण के साथ ऑनलाइन, चेक, संदाय आदेश या अन्य उपयुक्त ढंग से अधिसूचित बैंक या नगर पालिका कार्यालय में जमा कर सकता है।

12-शास्ति—(1) अधिशासी अधिकारी यथास्थिति, प्रस्तुत किये गये भवन के फर्शी क्षेत्रफल या आच्छादित क्षेत्रफल या भूमि के क्षेत्रफल के विवरणों या स्व निर्धारण के अन्य विवरणों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत विवरणों की यादृच्छिक जांच की व्यवस्था करेगा और ऐसे मामलों में जहां भवन के फर्शी क्षेत्रफल या आच्छादित क्षेत्रफल के किसी भाग या भूमि के क्षेत्रफल के किसी भाग को छिपाया गया हो या तद्संबंध में त्रुटि पूर्ण विवरण दिया गया हो, वहां वह यथास्थिति स्वामी या अध्यासी को दो सप्ताह के भीतर यह कारण बताने का नोटिस जारी करेगा कि क्यों न क्षेत्रफल को छुपाने अथवा सम्पत्ति के त्रुटिपूर्ण विवरण के कारण कर में होने वाले अन्तर के अनधिक चार गुने की शास्ति अधिरोपित की जाय।

(2) यथास्थिति, स्वामी या अध्यासी द्वारा दिए जाने वाले किसी स्पष्टीकरण पर विचार करने के पश्चात् और ऐसी जाँच, जैसा कि वह आवश्यक समझे, करने के पश्चात्, अधिशासी अधिकारी ऐसी शास्ति जो नोटिस के अनुसार अधिक न हो, अधिरोपित कर सकता है और कर धनराशि के साथ उसे वसूल किये जाने का आदेश दे सकता है।

(3) नियम 3 के उपनियम (1) और (3) के अधीन नियत समय के भीतर अपेक्षित विवरण प्रस्तुत न किये जाने की दशा में, अधिशासी अधिकारी ऐसी शास्ति अधिरोपित कर सकता है जो भूमि के क्षेत्रफल 50 वर्ग मी०, 200 वर्ग मी०, 400 वर्ग मी० तक तथा उससे अधिक होने पर क्रमशः 100.00 रुपये, 1,000.00 रुपये, 5,000.00 रुपये तथा 25,000.00 रुपये हो सकती है। परन्तु यह कि 30 दिन के विलम्ब की स्थिति में, शास्ति का 5 प्रतिशत बिलम्ब, शुल्क के रूप में जमा किया जाएगा। नियम 8 के अधीन निर्धारण सूची तैयार करते समय नियत समय के भीतर विवरणी प्रस्तुत न किये जाने की स्थिति में नियम 4 के अधीन प्रस्तावित फर्शी क्षेत्रफल की दरों का प्रयोग शास्ति में नियम 4 के अधीन प्रस्तावित फर्शी क्षेत्रफल की दरों का प्रयोग शास्ति के अतिरिक्त किया जायेगा।

(4) ऐसा कोई व्यक्ति, जो नियम 3 के उपनियम (4) के उपबंधों का उल्लंघन करेगा सम्पत्ति कर की दोगुनी धनराशि अथवा प्रतिदिन 500.00 रुपये की दर से, जो भी कम हो, शास्ति का भुगतान करने का दायी होगा।

13-शास्ति का प्रशमन—नियम 12 के उपनियम (1), (3) और (4) के अधीन अधिशासी अधिकारी द्वारा शास्तियों का गुणावगुण के आधार पर प्रशमन, शास्ति की अधिकतम धनराशि के एक तिहाई से अन्यून तथा आधे से अनधिक धनराशि पर किया जा सकता है।

14-विशेष उपबन्ध—(1) नगरपालिका परिषद् में स्थित सम्पत्तियों का मूल्यांकन और निर्धारण इस नियमावली के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 06 माह के भीतर पूर्ण कर लिया जायेगा।

(2) नगरपालिका परिषद् में करों की वसूली की समीक्षा अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रत्येक माह तीसरे दिनांक तक की जायेगी।

(3) बिल और मांग की नोटिस तामील कराने के अतिरिक्त, मांग तथा संग्रह का विवरण करादाता के मोबाइल फोनर सन्देश, ई-मेल और अन्य आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जायेगा।

प्रपत्र "क"
(नियम 7 देखिए)

आवासिक भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर स्व-निर्धारण प्रपत्र

1-स्वामी या अध्यासी का विवरण-

- (एक) स्वामी/अध्यासी का नाम
- (दो) स्वामी/अध्यासी के पिता/पति का नाम
- (तीन) भवन/गृह/भूखण्ड संख्या तथा अवस्थिति का पता :
- (चार) स्वामी/अध्यासी का आवासीय पता
- (पांच) अन्य विवरण-यदि कोई हो

2-भवन या भूमि का विवरण-

- क-(एक) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल(वर्गफुट में)
- (दो) खुली भूमि या भूखण्ड का क्षेत्रफल(वर्गफुट में)
- (तीन) अन्य ब्यौरा-यदि कोई हो
- ख-(एक) समस्त कमरों और समस्त आच्छादित बरामदों का आन्तरिक आयाम(वर्गफुट में)
- (दो) समस्त बालकनी, कारीडोर, रसोई और भण्डार गृह का आन्तरिक आयाम (वर्गफुट में)
- (तीन) समस्त गैराजों का आन्तरिक आयाम (वर्गफुट में)

टिप्पणी-स्नानागारों, शौचालयों, पोर्टिकों और सीढ़ी द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल फर्शी क्षेत्रफल का भाग नहीं होगा।

ग-भवन का फर्शी क्षेत्रफल-ख (एक) + 1/2 ख (दो) + 1/4 ख (तीन)

अथवा

आच्छादित क्षेत्रफल का 80% { क (एक) × 80% }

3-अवस्थिति का विवरण-

क-भवन या भूमि अवस्थित है :

ख-भवन निर्माण की प्रकृति :

(एक) आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित पक्का भवन.....

(दो) अन्य पक्का भवन

(तीन) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन जो (एक) और (दो) में आच्छादित न हो।

ग-भूमि (यदि उस पर कोई भवन निर्मित न हो) अवस्थित है-

टिप्पणी-कृपया लागू खानों में सही (✓) का निशान लगायें।

4-चाहे भवन स्वामी द्वारा अध्यासित हो या किराए पर हो

5-भवन निर्माण का वर्ष

6-वार्षिक मूल्य की गणना-

(एक) अधिशासी अधिकारी द्वारा भवन के लिए निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया दर (प्रति वर्गफुट)।

(दो) अधिशासी अधिकारी द्वारा भूमि के लिए निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया दर।

(तीन) भवन का वार्षिक मूल्य = $12 \times$ अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया दर \times भवन का फर्शी क्षेत्रफल = 12×6 (एक) \times ग

(चार) भूमि का वार्षिक मूल्य, यदि उस पर कोई भवन निर्मित न हो = $12 \times$ अधिशासी अधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम मासिक किराया दर \times भूमि का क्षेत्रफल = 12×6 (दो) $\times 2$ क (दो)

(पाँच) धारा 140 (2) (क) में यथा उल्लिखित छूट के पश्चात् स्वामी द्वारा अध्यासित होने की स्थिति में भवन का वार्षिक मूल्य

(छः) धारा 140(2) (ख) में यथाउल्लिखित वृद्धि के पश्चात् किराये पर होने की स्थिति में भवन का वार्षिक मूल्य

7-कर की गणना-

(एक) भवन के वार्षिक मूल्य पर कर = (यथा निर्धारित वार्षिक मूल्य \times कर की दर)=.....

(दो) भूमि के वार्षिक मूल्य पर कर यदि उस पर कोई भवन निर्मित न हो =
 (यथा निर्धारित वार्षिक मूल्य × कर की दर) =
 100

(तीन) जल निकासी कर = (यथा निर्धारित वार्षिक मूल्य × कर की दर) =
 100

8-अधिशाली अधिकारी द्वारा कर जमा करने हेतु निर्धारित नियत दिनांक

9-जमा किये गये कर का विवरण-

क्रम सं०	कर	धनराशि	दिनांक	चालान/रसीद संख्या	बैंक का नाम
----------	----	--------	--------	-------------------	-------------

सत्यापन

मैं..... वार्ड..... के मोहल्ला..... में स्थित भवन संख्या..... भवन
 यू0आई0डी0..... का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि इस प्रपत्र में दिए गये विवरण
 मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण है। इसमें दिये गये कोई विवरण न तो छिपाए गए हैं और न
 ही असत्य उल्लिखित हैं।

दिनांक..... हस्ताक्षर.....
 पूरा नाम स्थायी पता.....
 पिन कोड..... दूरभाष/मोबाइल नं०.....
 ई-मेल.....
 अनुप्रमाणक साक्षी.....
 नाम
 पिता का नाम
 पूरा पता.....

प्रपत्र-ख

(नियम 3 देखिए)

अनावासीय भवन व भूमि या दोनों के विवरण के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करने के लिए प्रपत्र
 (उनके लिए जिन्होंने प्रपत्र-क नहीं प्रस्तुत किया है)

1-स्वामी या अध्यासी का विवरण-

(एक) स्वामी/अध्यासी का नाम.....
 (दो) स्वामी/अध्यासी के पिता/पति का नाम.....
 (तीन) भवन/गृह/भूखण्ड संख्या और आवासीय पता.....
 (चार) स्वामी/अध्यासी का आवासीय पता.....
 (पांच) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....

2-भवन या भूमि का विवरण-

क-(एक) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल (वर्गफुट में).....
 (दो) खुली भूमि या भूखण्ड का क्षेत्रफल.....
 (तीन) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....
 ख-(एक) समस्त कमरों और समस्त आच्छादित बरामदों का आंतरिक आयाम (वर्गफुट में).....
 (दो) समस्त बालकनी, कारीडोर, रसोई और भण्डार गृह का आन्तरिक आयाम (वर्गफुट में).....
 (तीन) समस्त गैराजों का आन्तरिक आयाम (वर्गफुट में).....

टिप्पणी—स्नानगारों, शौचालयों, पोर्टिको और जीने द्वारा आच्छादित क्षेत्रफल, फर्शी क्षेत्रफल का भाग नहीं होगा।

(ग) भवन का फर्शी क्षेत्रफल = ख (एक) + $1/2$ ख (दो) + $1/4$ ख (तीन) या आच्छादित क्षेत्रफल का 80% = क (एक) × 80%

3—अवस्थिति का विवरण—

(क) भवन या भूमि अवस्थित है—

(ख) भवन निर्माण की प्रकृति—

(एक) आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित पक्का भवन

(दो) अन्य पक्का भवन

(तीन) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन जो (एक) और (दो) में आच्छादित न हो।

टिप्पणी—कृपया लागू खानों पर सही (✓) का निशान लगायें।

4—चाहे भवन स्वामी द्वारा अध्यासित हो या किराये पर हो.....

5—भवन निर्माण का वर्ष.....

सत्यापन

मैं.....वार्ड.....के मोहल्ला.....में स्थित भवन/भूमि संख्या.....भवन/भूमि/यू0 आई0 डी0.....का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस प्रपत्र में दिये गये विवरण मेरी उत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण हैं। इसमें दिया गया कोई विवरण न तो छिपाया गया है और न ही असत्य उल्लिखित है।

दिनांक.....

अनुप्रमाणक साक्षी

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पिता का नाम.....

पूरा पता.....

दूरभाष/ मोबाईल नं0.....

पूरा नाम.....

स्थायी पता.....

पिन कोड.....

दूरभाष/ मोबाईल नं0.....

ई-मेल.....

प्रपत्र 'ग' (नियम-7 देखिए)

अनावासिक भवन या भूमि या दोनों के वार्षिक मूल्य पर कर का स्व-निर्धारण प्रपत्र

1—स्वामी या अध्यासी का विवरण—

(एक) स्वामी/अध्यासी का नाम.....

(दो) स्वामी/अध्यासी के पिता/पति का नाम.....

(तीन) भवन/गृह/भूखण्ड संख्या और अवस्थिति पता.....

(चार) भवन/भूखण्ड, स्वामी/अध्यासी का आवासीय पता.....

(पांच) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....

2—भवन या भूमि का विवरण—

क—(एक) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल (वर्गफुट में).....

(दो) खुली भूमि या भूखण्ड का क्षेत्रफल.....

(तीन) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....

3—अवस्थिति का विवरण—

क—भवन निर्माण की प्रकृति :

(एक) पक्का मकान.....

(दो) अन्य पक्का भवन, एस्बेस्टस/फाईबर या टीनशेड.....

(तीन) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन, जो (एक) और (दो) में आच्छादित न हो.....

टिप्पणी—कृपया लागू खानों में सही (✓) का निशान लगायें।

4-भवन निर्माण का वर्ष.....

5-पूर्व निर्धारित वार्षिक मूल्य और निर्धारण वर्ष.....

6-वार्षिक मूल्य की गणना-

(क) भवन का वार्षिक मूल्य-

(एक) अधिशासी अधिकारी द्वारा आवासिक भवन के लिए निर्धारित मासिक किराया दर.....

(दो) आवासिक भवन की दर से सम्बन्धित गुणांक.....

(तीन) भवन हेतु प्राप्त मासिक किराया दर (एक) (दो).....

(चार) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल

(पांच) भवन का वार्षिक मूल्य = मासिक किराया दर × आच्छादित क्षेत्रफल 12 (तीन × चार × 12)

(ख) भूमि का वार्षिक मूल्य-

(एक) अधिशासी अधिकारी द्वारा आवासिक भूमि के लिए निर्धारित मासिक किराया दर.....

(दो) नियमावली में विहित आवासिक भूमि का दर से संबंधित गुणांक.....

(तीन) भूमि के लिए प्राप्त मासिक किराया दर (एक) × (दो).....

(चार) भूमि का क्षेत्रफल.....

(पांच) भवन का वार्षिक मूल्य = मासिक किराया दर × आच्छादित क्षेत्रफल × 12 (तीन × चार × 12)

(ग) कुल वार्षिक मूल्य = (क) (पांच) + (ख) (पांच)

7-कर की गणना-

(एक) भवन के वार्षिक मूल्य पर कर = $\frac{\text{यथा निर्धारण वार्षिक मूल्य} \times \text{कर की दर}}{100}$ =

(दो) जलकर = $\frac{\text{यथा निर्धारण वार्षिक मूल्य} \times \text{कर की दर}}{100}$ =

(तीन) जल निकास कर = $\frac{\text{यथा निर्धारण वार्षिक मूल्य} \times \text{कर की दर}}{100}$ =

8-अधिशासी अधिकारी द्वारा कर जमा करने के लिए नियत दिनांक.....

9-जमा किये गये कर का विवरण-

क्रम सं०	कर का नाम	कर की धनराशि	चालान/रसीद संख्या	दिनांक	बैंक/ कार्यालय का नाम
----------	-----------	--------------	-------------------	--------	-----------------------

सत्यापन

मैं.....वार्ड.....के मोहल्ला.....में स्थित भवन/भूमि संख्या.....भवन/भूमि/यू0 आई0 डी0.....का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस प्रपत्र में दिये गये विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण हैं। इसमें दिया गया कोई विवरण न तो छिपाया गया है और न ही असत्य है।

दिनांक.....

अनुप्रमाणक साक्षी

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पिता का नाम.....

पूरा पता.....

दूरभाष/ मोबाईल नं०.....

हस्ताक्षर.....

पूरा नाम.....

स्थायी पता.....

पिन कोड.....

दूरभाष/ मोबाईल नं०.....

ई-मेल.....

प्रपत्र-घ

(नियम-3 देखिए)

अनवासीय भवन के भवन या भूमि या दोनों के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करने के लिए प्रपत्र
(उनके लिए जिन्होंने प्रपत्र-ग नहीं प्रस्तुत किया है)

1-स्वामी या अध्यासी का विवरण-

- (एक) स्वामी/अध्यासी का नाम.....
(दो) स्वामी/अध्यासी के पिता/पति का नाम.....
(तीन) भवन/गृह/भूखण्ड संख्या और आवासीय पता.....
(चार) स्वामी/अध्यासी का आवासीय पता.....
(पांच) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....

2-भवन या भूमि का विवरण-

- क-(एक) भवन का आच्छादित क्षेत्रफल (वर्गफुट में).....
(दो) खुली भूमि या भूखण्ड का क्षेत्रफल.....
(तीन) अन्य विवरण, यदि कोई हो.....

3-अवस्थिति का विवरण-

- (क) भवन या भूमि अवस्थित है-
(ख) भवन निर्माण की प्रकृति-

(एक) आर0सी0सी0 छत या आर0बी0 छत सहित पक्का भवन

(दो) अन्य पक्का भवन, एस्बेस्टस/फाइबर या टीनशेड

(तीन) कच्चा भवन अर्थात् समस्त अन्य भवन जो (एक) और (दो) में आच्छादित न है।

टिप्पणी-कृपया लागू खानों पर सही (✓) का निशान लगाएं।

4-भवन निर्माण का वर्ष.....

5-पूर्व निर्धारित वार्षिक मूल्य और निर्धारण वर्ष.....

सत्यापन

मैं.....वार्ड.....के मोहल्ला.....में स्थित भवन/भूमि संख्या.....
भवन/भूमि/यू0 आई0 डी0.....का स्वामी/अध्यासी एतद्वारा घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि इस प्रपत्र में
दिये गये विवरण मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण हैं। इसमें दिया गया कोई विवरण न तो
छिपाया गया है और न ही असत्य है।

दिनांक.....

अनुप्रमाणक साक्षी

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पिता का नाम.....

पूरा पता.....

दूरभाष/ मोबाईल नं0.....

हस्ताक्षर.....

पूरा नाम.....

स्थायी पता.....

पिन कोड.....

दूरभाष/ मोबाईल नं0.....

ई-मेल.....

मनोज गर्ग,
अध्यक्ष,
नगरपालिका परिषद,
बुलन्दशहर।

उत्तर प्रदेश नर्सिज एवं मिडवाइज कौंसिल, लखनऊ

26 मई, 2020 ई0

सं0 नर्सिज/2020/005—उत्तर प्रदेश नर्सिज एवं मिडवाइज कौंसिल के निर्वाचन के नियमों के नियम 3 के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उ0प्र0 नर्सिज एवं मिडवाइज असिस्टेंट, आकजीलियरी नर्स मिडवाइफ एवं हेल्थ विजिटर रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1934 की धारा 4 उपधारा 1 के खण्ड (बी) के उपखण्ड (4)(5)(6) में उल्लिखित समस्त निर्वाचकों को सूचित किया जाता है कि नीचे दिये गये सदस्यों की सदस्यता समाप्त होने के कारण उत्तर प्रदेश नर्सिज एवं मिडवाइज कौंसिल में सम्बन्धित उपखण्ड के अन्तर्गत दिखाये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति करने हेतु उन्हें सदस्य चुनने हैं।

धारा 4(1)(बी)4

4 स्थान

वर्तमान सदस्य

- 1—श्रीमती पूनम शर्मा
- 2—श्रीमती तनिमा वर्मा
- 3—श्रीमती प्रीति तिवारी
- 4—श्रीमती लुबना

धारा 4(1)(बी)5

2 स्थान

वर्तमान सदस्य

- 1—श्रीमती सरिता
- 2—कु0 निकिता तिवारी

धारा 4(1)(बी)6

1 स्थान

वर्तमान सदस्य

- 1—श्रीमती क्लारम्मा डिक्रूज

निर्वाचन नियमों के नियम 1(बी) के अनुसार रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश नर्सिज एवं मिडवाइज कौंसिल इस निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी होंगे।

चुनाव हेतु प्रत्याशियों का मनोनयन नामांकन-पत्रों द्वारा किया जायेगा प्रत्येक नामांकन-पत्र दो निर्वाचकों (प्रस्तावक और अनुमोदक) द्वारा समर्थित होना चाहिए। पूर्णतः भरे हुये नामांकन-पत्र, हस्ताक्षर करने के उपरान्त ई-मेल electionupnc2020@gmail.com पर/डाक द्वारा/कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

अस्तु उक्त निर्वाचनों के लिए नामांकन-पत्र का प्रारूप विभिन्न सोपानों के लिए तिथियाँ एवं समय निर्धारित किया जाता है। निर्वाचन संबंधी विवरण संबंधित वेबसाइट electivemembers2020.com पर उपलब्ध है।

1— नामांकन-पत्रों के पहुंचने एवं जांच का समय एवं तिथि	26-06-2020	शाम 4 बजे
2— प्रत्याशिता वापस लेने की तिथि	02-07-2020	
3— एक से अधिक प्रत्याशी होने की दशा में मतपत्र निर्वाचकों को भेजने की अंतिम तिथि	19-07-2020	
4— निर्वाचन का दिन व समय	31-07-2020	इलेक्ट्रानिक/आन-लाईन के माध्यम से प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे
5— गणना की तिथि	01-08-2020	

डा0 के0के0 गुप्ता,

अध्यक्ष,

उ0प्र0 नर्सिज एवं मिडवाइज कौंसिल, लखनऊ।

नामांकन-पत्र का प्रारूप निम्नलिखित है—

NOMINATION PAPER

Election under Sub-clause (iv) (v) or (vi) of clause (b), sub-section (I) section 4 of the U. P. Nurses, Midwives, Assistant Midwives, Auxiliary Nurses-Midwives and Health Visitors Registration Act. XV of 1934.

Name/ Father's Name of Candidate and Address	Qualifications and Registration No.	Name, address registration no. and signature of proposer	Name, address registration no. and signature of seconder

Returning Officer.

Nomination papers which are not received by the Returning Officer (at the Office of the Uttar Pradesh Nurses & Midwives Council at Lucknow) before 12 noon on the 26-06-2020 will be invalid.

Certificate to be signed by the candidate.

I declare that I am willing to stand for election

Signature of candidate.

उत्तर प्रदेश मेडिकल कौंसिल, लखनऊ

26 मई, 2020 ई०

सं० मेडिकल/2020/004—उत्तर प्रदेश मेडिकल ऐक्ट, 1917 (ऐक्ट III-1917) के निर्वाचन नियमों के नियम 2 के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उत्तर प्रदेश मेडिकल ऐक्ट, 1917 (ऐक्ट III-1917) की धारा 4 उपधारा 1 के खण्ड (डी) (ई) (एफ) (जी) तथा (एच) में उल्लिखित समस्त निर्वाचकों को सूचित किया जाता है कि नीचे दिये गये सदस्यों की सदस्यता समाप्त होने के कारण मेडिकल कौंसिल से सम्बन्धित उपखण्ड के अन्तर्गत दिखाये गये रिक्त स्थानों की पूर्ति करने हेतु उन्हें निर्दिष्ट सदस्य चुनने हैं।

धारा 4(1) (डी) स्थान

डा० कैलाश कुमार 1

धारा 4(1) (ई) 2

(i) डा० गिरीश चन्द्र पाण्डेय

(ii) डा० सीमा यादव

धारा 4(1) (एफ) 1

डा० दीपक लखमानी 1

धारा 4(1) (जी) 2

(i) डा० मोनिका मिश्रा 2

(ii) डा० विनीत शर्मा

धारा 4(1) (एच) 2

(i) डा० नरेश चन्द्र यादव 2

(ii) डा० उर्मिला सिंह

निर्वाचन नियमों के नियम 1(बी) के अन्तर्गत रजिस्ट्रार, उत्तर प्रदेश मेडिकल कौंसिल इस निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारी होंगे।

चुनाव हेतु प्रत्याशियों का मनोनयन नामांकन-पत्रों द्वारा किया जायेगा। प्रत्येक नामांकन-पत्र दो निर्वाचकों (प्रस्तावक और अनुमोदक) द्वारा समर्थित होना चाहिए। पूर्णतः भरे हुये नामांकन-पत्र, हस्ताक्षर करने के उपरान्त ई-मेल electionupmcf2020@gmail.com पर/डाक द्वारा/कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

अस्तु उक्त निर्वाचनों के लिए नामांकन-पत्र का प्रारूप विभिन्न सोपानों के लिए तिथियाँ एवं समय निर्धारित किया जाता है। निर्वाचन संबंधी विवरण संबंधित वेबसाइट electivemembers2020.com पर उपलब्ध है।

1- नामांकन-पत्रों के पहुंचने एवं जांच का समय एवं तिथि	26-06-2020	शाम 4 बजे
2- प्रत्याशिता वापस लेने की तिथि	02-07-2020	
3- एक से अधिक प्रत्याशी होने की दशा में मतपत्र निर्वाचकों को भेजने की अंतिम तिथि	19-07-2020	
4- निर्वाचन का दिन व समय	31-07-2020	इलेक्ट्रानिक/आन-लाईन के माध्यम से प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे
5- गणना की तिथि	01-08-2020	

नोट—(*) क्रम संख्या 3, 4 एवं 5 पर अंकित तिथियाँ आवश्यकतानुसार बढ़ायी भी जा सकती हैं। बढ़ाने की स्थिति में सूचना राजकीय गजट में प्रकाशित की जायेगी।

डा० के०के० गुप्ता,
अध्यक्ष,
उ०प्र० मेडिकल कौंसिल,
लखनऊ।

नामांकन-पत्र का प्रारूप निम्नलिखित है—

NOMINATION PAPER

(Under rule 3(2) of the rule published in Government, Department, Notification No. 513-C dated 26th June, 2020) Election under clause (d), (e), (f), (g), (h) of Section 4, Sub-section (1) of the Uttar Pradesh Medical Act, 1917, as amended by Amendment Acts V of 1922 and IV of 1931.

Name/ Father's Name of Candidate and Address	Qualifications and Registration No.	Name, address registration no. and signature of proposer	Name, address registration no. and signature of seconder

Returning Officer.

Nomination papers which are not Received by the Returning Officer (at the Officer of the Registrar Uttar Pradesh Medical Council at Lucknow) before 12 noon on the 26-06-2020 will be invalid.

Certificate to be signed by the candidate.

I declare that I am willing to stand for election

Signature of candidate.

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ

26 मई, 2020 ई०

सं० SMF/2020/003—उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी के निर्वाचन संबंधी नियम 2 के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उ०प्र० स्टेट मेडिकल फैकल्टी के नियम 3 के भाग 9-10 एवं 11-12 में उल्लिखित समस्त निर्वाचक-गणों को सूचित किया जाता है कि फैकल्टी के निम्नलिखित सदस्यों की सदस्यता उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथियों को समाप्त हो रही है जिसके कारण उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी की शासी समिति में क्रमशः चार स्थान रिक्त हैं, उनकी पूर्ति के लिए चार सदस्यों का निर्वाचन होना है।

1-डा० वी०पी० चतुर्वेदी	नियम 3 के भाग-9 के अन्तर्गत
2-डा० विनोद जैन	नियम 3 के भाग-10 के अन्तर्गत
3-डा० पियूष यादव	नियम 3 के भाग-11 के अन्तर्गत
4-सन्दीप मिश्रा	नियम 3 के भाग-12 के अन्तर्गत

निर्वाचन नियमों के नियम 1(ए) के अनुसार सचिव, उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ निर्वाचन अधिकारी हैं।

चुनाव हेतु प्रत्याशियों का मनोनयन नामांकन-पत्रों द्वारा किया जायेगा। प्रत्येक नामांकन-पत्र दो निर्वाचकों (प्रस्तावक और अनुमोदक) द्वारा समर्थित होना चाहिए। पूर्णतः भरे हुये नामांकन-पत्र, हस्ताक्षर करने के उपरान्त ई-मेल electionupsmf2020@gmail.com पर/डाक द्वारा/कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से प्रेषित किया जा सकता है।

अस्तु उक्त निर्वाचनों के लिए नामांकन-पत्र का प्रारूप विभिन्न सोपानों के लिए तिथियाँ एवं समय निर्धारित किया जाता है। निर्वाचन संबंधी विवरण संबंधित वेबसाइट electivemembers2020.com पर उपलब्ध है।

- | | | |
|--|------------|--|
| 1- नामांकन-पत्रों के पहुंचने एवं जांच का समय | 26-06-2020 | शाम 4 बजे |
| एवं तिथि | | |
| 2- प्रत्याशिता वापस लेने की तिथि | 02-07-2020 | |
| 3- एक से अधिक प्रत्याशी होने की दशा में | 19-07-2020 | |
| मतपत्र निर्वाचकों को भेजने की अंतिम तिथि | | |
| 4- निर्वाचन का दिन व समय | 31-07-2020 | इलेक्ट्रानिक/आन-लाईन के माध्यम से
प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे |
| 5- गणना की तिथि | 01-08-2020 | |

नोट- (') क्रम संख्या 3, 4 एवं 5 पर अंकित तिथियाँ आवश्यकतानुसार बढ़ायी भी जा सकती हैं। बढ़ाने की स्थिति में सूचना राजकीय गजट में प्रकाशित की जायेगी।

डा० राजेश जैन,
सचिव/निर्वाचन अधिकारी
उ०प्र० स्टेट मेडिकल फैकल्टी।

नामांकन-पत्र का प्रारूप निम्नलिखित है -

NOMINATION PAPER

For Election under Items 9 and 10 or 11 and 12 of Rule of the Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules.

Name/ Father's Name of Candidate and Address	Qualifications and Registration No.	Name, address registration no. and signature of proposer	Name, address registration no. and signature of seconder

Returning Officer.

Nomination papers which are not received by the Returning Officer (at the Officer of the Uttar Pradesh State Medical Faculty at Lucknow) before 12 noon on the 26-06-2020 will be invalid.

Certificate to be signed by the candidate.

I declare that I am willing to stand for election

Signature of candidate.

उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी, लखनऊ

शुद्धि-पत्र

सं० SMF/2020/001-उत्तर प्रदेश स्टेट मेडिकल फैकल्टी के शासी समिति के सदस्यों के रिक्त हुये स्थानों की पूर्ति के लिए दिनांक 16 फरवरी, 2017 को 03 वर्ष के लिए निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। जिसकी विज्ञप्ति गजट में दिनांक 1 अप्रैल, 2017 को प्रकाशित हुई थी। उक्त गजट में लिपिकीय त्रुटिवश 03 वर्ष की अवधि के स्थान पर 05 वर्ष की अवधि हो गयी है। जिसे 03 वर्ष की अवधि ही लिखा-पढ़ा व समझा जाये।

ह० (अस्पष्ट),
सचिव/निर्वाचन अधिकारी,
उ०प्र० स्टेट मेडिकल फैकल्टी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स सारिका इण्डस्ट्रीज पता एफ० 2390, राजाजीपुरम, लखनऊ जिसका रजि० नं० 203379 दिनांक 02 अगस्त, 2017 का पंजीकृत है, उक्त फर्म में श्री उमंग गावड़ी पुत्र श्री मदन लाल गावड़ी, निवासी एफ० 2390, राजाजीपुरम, लखनऊ को दिनांक 25 फरवरी, 2020 को साझीदारी में सम्मिलित किया गया है तथा प्रथम पार्टनर, श्रीमती सारिका गावड़ी पत्नी श्री उमंग गावड़ी, निवासी एफ०

2390, राजाजीपुरम, लखनऊ दिनांक 25 फरवरी, 2020 से साझीदारी से स्वेच्छा से हट गई हैं। उक्त फर्म में दिनांक 25 फरवरी, 2020 से प्रथम पार्टनर, श्री उमंग गावड़ी पुत्र श्री मदन लाल गावड़ी, निवासी एफ० 2390, राजाजीपुरम, लखनऊ तथा द्वितीय पार्टनर श्री मदन लाल गावड़ी पुत्र स्व० चोखानन्द गावड़ी, निवासी एफ० 2390, राजाजीपुरम, लखनऊ होंगे।

मदन लाल गावड़ी,
पार्टनर।

सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि मेसर्स सैनिक सिक्थोरिटी गार्ड सर्विसेज, जनकपुरी, निकट पानी की टंकी, मुन्शीगंज, जिला सीतापुर की साझेदारी फर्म 1932 58 (1) साझेदारी अधिनियम के अन्तर्गत लखनऊ से पंजीकृत है जिसमें फर्म की साझेदारी में अभी तक दो साझेदार थे, दिनांक 05 सितम्बर, 2019 से फर्म में दो नये साझेदार क्रमशः श्री हिमांशु सिंह पुत्र भगवान बक्श सिंह एवं श्रीमती पूजा चौबे पत्नी श्री हिमांशु सिंह शामिल हो गये हैं तथा इसी तिथि से पूर्व साझेदार श्री भगवान बक्श सिंह (बी0बी0 सिंह भू0पूर्व सैनिक) पुत्र यदुनाथ सिंह एवं श्री विजय विक्रम सिंह पुत्र श्री वीरेन्द्र सिंह फर्म की साझेदारी से निकल रहे हैं। इस कारण फर्म की साझेदारी में दो साझेदार क्रमशः हिमांशु सिंह, श्रीमती पूजा चौबे रह गये हैं। जिसकी सूचना दी जा रही है।

हिमांशु सिंह,
113/51, जनकपुरी कालोनी मुन्शीगंज,
जिला सीतापुर-261001।

सूचना

सूचित करना है कि ओम साई राम (ओ0एस0आर0) फिलिंग सेन्टर ग्राम दल सराय, तहसील रामनगर, जिला बाराबंकी के भागीदार श्री भगवानदीन सिंह स्वेच्छा से अपना 51% शेयर फर्म के भागीदार श्री रजनीश सिंह को हस्तान्तरित कर दिया, जिसकी स्वीकृति एच0पी0सी0एल0 ने दे दी है। अतः श्री भगवानदीन सिंह का इस फर्म से कोई वास्ता नहीं है। अब इस फर्म के प्रोपराइटर केवल श्री रजनीश सिंह हैं, जिनका शेयर अब 100% है।

Rajneesh Singh,
साझेदार।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स उस्मान राईस इण्डस्ट्रीज, स्थित विलेज घुर समसपुर, धौराटाण्डा, तहसील बरेली, डिस्ट्रिक्ट बरेली,

उ0प्र0, पिनकोड-243202 (पंजीकरण संख्या बीएआर/0005671) फर्म में कुल 6 साझेदार-मो0 उवैस, वफाउररहमान, अब्दुल मतीन, अब्दुल मालिक, मो0 मुजीब, तफजील अहमद थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 18 मार्च, 2020 को फर्म में दो नये साझेदार-अफसीर अहमद, मो0 वसीम शामिल किये गये हैं तथा फर्म के दो साझेदार अब्दुल मतीन, अब्दुल मालिक फर्म से अपनी स्वेच्छा से दिनांक 18 मार्च, 2020 को अवकाश ग्रहण करके अलग हो गये हैं, अवकाश ग्रहण साझेदारों का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है। किसी प्रकार का साझेदारों का फर्म पर या फर्म का साझेदारों पर कोई लेन-देन बकाया नहीं रह गया है, अब फर्म में कुल 6 साझेदार-मो0 उवैस, वफाउररहमान, मो0 मुजीब, तफजील अहमद, अफसीर अहमद व मो0 वसीम हैं तथा फर्म में एवं साझेदारों में किसी प्रकार का कोई विवाद नहीं है। एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी हैं।

वफाउररहमान,
साझेदार,
मेसर्स उस्मान राईस इण्डस्ट्रीज,
बरेली, उ0प्र0।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मे0 आकांक्षा इन्टरप्राइजेज, ग्राम डुंडुवा, पोस्ट उत्तरांव, हण्डिया, प्रयागराज में साझेदार धारा सिंह, दिनांक 31 मार्च, 2018 को फर्म से रिटायर हो चुके हैं। श्रीमती गिरिजा देवी, दिनांक 01 अप्रैल, 2018 को फर्म में शामिल हुई हैं।

कमलेश कुमार यादव,
साझेदार,
आकांक्षा इन्टरप्राइजेज,
ग्राम डुंडुवा, पोस्ट उत्तरांव,
हण्डिया, प्रयागराज।